www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, सोमवार
17 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 105 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

देश के आर्मी चीफ धीरज सेठ जा रहे नेपाल

- काठमांडू में मिलेगा खास सम्मान, बालेन शाह सरकार में पहला बड़ा दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के आर्मी चीफ प्रमुख जनरल धीरज सेठ नेपाल की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। सोमवार को उन्हें काठमांडू में खास सम्मान दिया जाएगा। उन्हें नेपाली सेना के जनरल की मानद (ऑनरेरी) रैंक से नवाजा जाएगा। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ का ये दौरा ऐसे में समय में हो रहा

जब वहां बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार सत्ता में है। हाल के समय में नेपाल और भारत के रिश्ते काफी प्रभावित नजर आए हैं। ऐसे में भारतीय आर्मी चीफ का ये नेपाल दौरा रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है। जनरल धीरज सेठ ने 30 जून को भारतीय सेना के 31वें चीफ का पदभार संभाला। नेपाली सेना प्रमुख जनरल अशोक सिगदेल के निमंत्रण पर वो नेपाल का दौरा कर रहे हैं। अपने नेपाल यात्रा के दौरान, जनरल धीरज सेठ आपसी सैन्य सहयोग पर चर्चा करने के लिए सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। जनरल धीरज सेठ नेपाल की लीडरशिप के साथ हाई लेवल मीटिंग भी करेंगे।

शाहरुख, अजय और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस

- विमल इलायची के विज्ञापन को पान मसाला का प्रचार माना, 10 लाख का जुर्माना संभव

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एफडीए का आरोप है कि 'विमल इलायची' के विज्ञापन के जरिए राज्य में प्रतिबंधित 'विमल पान मसाला'

का इनडायरेक्ट प्रचार किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, एफडीए ने 11 अगस्त को तीनों को नोटिस भेजकर विज्ञापन में उनकी भूमिका पर 15 दिन में जवाब और स्पष्टीकरण मांगा है। शाहरुख खान को बांद्रा स्थित उनके घर 'मन्नत', अजय देवगन को जुहू स्थित आवास और टाइगर श्रॉफ को उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'टाइगर श्रॉफ प्रोडक्शंस एलएलपी' के पते पर नोटिस भेजा गया है। एफडीए का कहना है कि विज्ञापन में 'विमल' नाम, प्रोडक्ट और डायलॉग इस तरह इस्तेमाल किए गए हैं कि इससे 'विमल' ब्रांड का प्रचार होता दिखता है। चूंकि 'विमल' ब्रांड पान मसाला से भी जुड़ा है।

उफान पर नदियां, तालाब बन गई गलियां

- एमपी-यूपी के बुरे हाल, कई सड़कें बाढ़ में डूबीं
- चित्रकूट में यूपी-एमपी को जोड़ने वाला पुल डूबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। लखनऊ में तीन घंटे हुई बारिश के बाद सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। कई इलाकों की गलियां तालाब बन गई हैं। उधर, गंगा, यमुना और शारदा समेत 11 नदियां उफान पर हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। इससे यूपी-एमपी को जोड़ने वाला पुल डूब गया है। पानी कॉलोनियों और घरों तक पहुंच गया है। उत्तराखंड के चमोली में शनिवार देर रात से हो रही भारी बारिश के कारण बाजपुर के पास पहाड़ का एक हिस्सा खिसक गया। जिससे बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया। हिमाचल में 30 जून से 15 अगस्त के बीच मानसून से जुड़ी घटनाओं में 183 लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार शाम 5 बजे तक राज्य में 103 सड़कें बंद थीं।

उत्तराखंड के चमोली में शनिवार देर रात से हो रही भारी बारिश के कारण बाजपुर के पास पहाड़ी दरक गई। जिससे बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया। पहाड़ी से लगातार बोल्डर और मलबा गिरने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। फिलहाल मलबा हटाने का काम जारी है।

धौलपुर में 100 पर्यटक झरने-नाले के बहाव में फंसे

राजस्थान में आज भी 10 जिलों में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। शनिवार को भरतपुर, धौलपुर सहित कई जिलों में 1 इंच तक पानी बरसा। कोटा, बूंदी, दौसा, अलवर, चित्तौड़गढ़ के भी एरिया में कई जगह हल्की बारिश हुई। भरतपुर के बंध बारेठा डैम से भी शनिवार रात से पानी की निकासी शुरू की गई। धौलपुर के दमोह झरने और बरसाती नाले में आए बहाव के कारण 100 से ज्यादा पर्यटक-ग्रामीण फंस गए। इनका देर रात तक रेस्क्यू किया गया।

लखनऊ में सड़कें बनीं तालाब, बाइके डूबीं

यूपी में मानसून ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। रविवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, बरेली समेत 25 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। गोरखपुर समेत 20 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। लखनऊ में तड़के 3 बजे झमाझम बारिश शुरू हुई। 5 घंटे तक लगातार बारिश हुई। शहर के कई इलाकों में सड़कों पर 3-4 फीट पानी भर गया। जलभराव में कई बाइकें बंद हो गईं। गलियां तालाब बन गईं। पानी घरों और दुकानों में घुस गया। कारें आधी डूबी नजर आईं। उन्नाव में गंगा का पानी घरों में घुस गया। लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं।

अमित शाह का सोनिया गांधी पर सीधा हमला

कहा-सोनिया जी आपके पाप को जनता कभी माफ नहीं करेगी

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। वंदे मातरम के 150वें साल पर पीएम मोदी ने

- 'वंदे मातरम' के अपमान पर बोले-देश से माफी मांगे कांग्रेस

लाल किले से वंदे मातरम को सम्मान वापस दिलाने का काम किया है। शाह ने राजस्थान के निंबाहेड़ा में कहा, कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए, कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। चालू गान में कांग्रेस

की नेत्री सोनिया जी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। हम सब टीवी पर देखते रहे। 80 साल के बाद बंकिम बाबू (बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय) का यह गान फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, वो भी सोनिया जी को रास नहीं आता। सोनिया जी 140 करोड़ की जनता आपको देख रही है।

अमित शाह ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

इस दौरान अमित शाह ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कांग्रेस के 70 वर्षों के शासन में राजस्थान के केवल 11 लाख घरों तक नल से जल पहुंचा था, जबकि पीएम मोदी के नेतृत्व में बीते 8 सालों में 64 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल कनेक्शन से जोड़ा गया है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने 1999 में पोकरण परमाणु परीक्षण कर भारत को वैश्विक पटल पर परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाया था। आज उसी नीति का अनुसरण करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए दुश्मनों को उनकी सीमाओं में घुसकर मुंहतोड़ जवाब दिया है।

गहरी खाई में गिरी पिकअप, एक युवक की मौत, एक गंभीर घायल

त्यूणी/देहरादून। देहरादून जिले के जौंनसार बावर क्षेत्र की त्यूणी तहसील में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तुंगाण क्षेत्र से त्यूणी की ओर आ रही एक पिकअप गाड़ी पुरटाड गांव के पास अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन सवार उत्तरकाशी निवासी एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब पांच बजे एक पिकअप वाहन तुंगाण क्षेत्र से त्यूणी की ओर जा रहा था। इसी दौरान पुरटाड गांव के समीप अचानक वाहन चालक का नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते पिकअप सड़क से नीचे खाई में जा गिरी और कई मीटर नीचे पलट गई। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना त्यूणी पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद खाई में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे में खजानदास (40 वर्ष), निवासी मोरी, उत्तरकाशी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं वाहन में सवार रवि, निवासी मोरी, उत्तरकाशी गंभीर रूप से घायल बताया गया है। घायल को रेस्क्यू कर तत्काल त्यूणी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और दुर्घटना के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। मृतक के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

थानाध्यक्ष कुलदीप शाह ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरा है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस पर महाकाल मंदिर में बिके 122 क्विंटल लड्डू

- 6.57 लाख श्रद्धालुओं ने किए महाकालेश्वर के दर्शन, लड्डुओं से 55 लाख की आय

उज्जैन (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शनिवार, 15 अगस्त को उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। देशभर से पहुंचे 6 लाख 57 हजार 218 श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन किए। स्वतंत्रता दिवस और सावन के बीच मंदिर परिसर और दर्शन मार्गों पर दिनभर भीड़ बनी रही। मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार, 15 अगस्त को कुल 6,57,218 श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन किए। इस

दौरान श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में बड़ी मात्रा में लड्डू खरीदे। एक दिन में 122.165 क्विंटल यानी 12,216.5 किलो से अधिक लड्डुओं की बिक्री हुई। इससे समिति को 54 लाख 69 हजार 800 रुपए की आय हुई।

टिकट से एक दिन में 1.07 करोड़ रुपए की आय

महाकाल मंदिर में ऑनलाइन और काउंटर टिकट से भी समिति को बड़ी राशि मिली। ऑनलाइन टिकट से 27,953 श्रद्धालुओं से 69 लाख 88 हजार 250 रुपए की आय हुई। वहीं, काउंटर टिकट से 15,200 श्रद्धालुओं से 38 लाख रुपए मिले। ऑनलाइन और काउंटर टिकट से समिति को एक दिन में कुल 1 करोड़ 7 लाख 88 हजार 250 रुपए की आय हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए मंदिर प्रबंध समिति ने दर्शन व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जरूरी इंतजाम किए थे।

हरियाणा में खनौरी बॉर्डर सील, भारी पुलिस बल तैनात

पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच से पहले ही सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के किसानों ने एक बार फिर दिल्ली कूच का आह्वान किया है। इसे देखते हुए रविवार को पंजाब-हरियाणा की सीमा पर पड़ने वाले खनौरी बॉर्डर को सील कर दिया गया है। खनौरी बॉर्डर पर भारी तादाद में पुलिसकर्मी तैनात हैं और हरियाणा पुलिस ने किसानों को दिल्ली की ओर बढ़ने से रोकने के लिए पांच लेवल की बैरिकेडिंग की है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने ऐलान किया था कि संयुक्त किसान मोर्चा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के

विरोध में 16 अगस्त से 228 किलोमीटर लंबी किसान बचाओ पदयात्रा शुरू करेगा। व्यापार समझौते के विरोध में पंजाब में लगातार किसान अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इसके अलावा किसान एमएसपी को कानूनी गारंटी दिए जाने, एमएस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू किए जाने की भी मांग कर रहे हैं।

दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचने का है कार्यक्रम

किसान नेताओं ने कहा था कि उनकी पदयात्रा 16 अगस्त को दाता सिंह वाला गांव से शुरू होगी और 29 अगस्त को वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचेंगे। किसान नेताओं ने ऐलान किया है कि पहले जत्थे में 51 किसान दिल्ली की ओर बढ़ेंगे लेकिन सवाल यह है कि क्या हरियाणा की पुलिस उन्हें आगे बढ़ने देगी। इससे पहले भी किसान लंबे वक्त तक खनौरी बॉर्डर पर धरना प्रदर्शन कर चुके हैं और तब भी उन्हें दिल्ली जाने की अनुमति नहीं मिली थी। किसानों को इस बात का डर है कि अगर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हो जाता है तो इससे किसानों को नुकसान होगा लेकिन केंद्र सरकार का कहना है कि इस मामले में किसानों को गुमराह किया जा रहा है और दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते में सरकार किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगी।

कृषि कानूनों का किया था विरोध

साल 2020 में जब मोदी सरकार तीन कृषि कानून लेकर आई थी तो इसके खिलाफ पंजाब से हजारों की संख्या में किसानों ने दिल्ली कूच कर दिया था। तब किसान दिल्ली-हरियाणा के सिंघु, टिकरी और दिल्ली-उत्तर प्रदेश के गाजीपुर बॉर्डर पर धरने पर बैठ गए थे। किसानों के जबरदस्त विरोध के बाद केंद्र सरकार ने तीनों कृषि कानून को वापस ले लिया था।

होर्मुज स्ट्रेट में मिलकर टोल वसूलेंगे ईरान-ओमान

दोनों देशों में शिपिंग डील का ऐलान, डोनाल्ड ट्रंप पर नजर

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने ओमान के साथ होर्मुज स्ट्रेट पर डील का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज) के लिए शिपिंग रूट मैप पर ईरान और ओमान के बीच समझौता हो गया है। यह समझौता हफ्तों तक चली तकनीकी बातचीत के बाद हुआ है। ओमान और ईरान के समझौते के बाद अब इस समुद्री रूट को खोलने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पर नजर है। अमेरिका की इस गलियारे के आसपास लगातार नाकेबंदी चल रही है। ईरान ने समझौते के तहत अमेरिका से नाकेबंदी हटाने को कहा है। इस्माइल बघई ने शनिवार को डेफा प्रेस को बताया कि इस अहम समुद्री जलमार्ग से जुड़े दोनों देशों (ईरान-ओमान) ने सुरक्षित नेविगेशन रूट बनाने के लिए 18 जून को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। उसके बाद करीब तीन महीने पहले गहन बातचीत शुरू की थी और अब दोनों पक्ष एक समझौते पर पहुंचे। हालांकि ईरानी प्रवक्ता ने टोल पर चीजें साफ नहीं की हैं। ईरान होर्मुज में टोल लगाने पर जोर देता रहा है।

तेहरान ने फिर दोहराई शर्त

बघई ने होर्मुज पर व्यवस्था को ईरान और ओमान के बीच एक स्वतंत्र समझौता बताया। इसका मकसद दोनों देशों की संप्रभुता का सम्मान करते हुए हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को आसान बनाना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह समझौता नेविगेशन पर केंद्रित था। इससे इस जलमार्ग पर ईरान के दावे में कोई बदलाव नहीं आया। नेविगेशन रूट पर समझौते के बावजूद बघई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षा और सामान्य व्यावसायिक शिपिंग की पूरी बहाली इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका के गैर-कानूनी कदमों और नौसैनिक नाकेबंदी का अंत हो।

ईरान-ओमान का नेविगेशन रूट

बघई ने अपने बयान में कहा,अमेरिका की बाधाओं के बावजूद पिछले तीन हफ्तों में बातचीत में सकारात्मक प्रगति हुई है और शिपिंग रूट मैप पर समझौता हो गया है। यह समझौता ईरान के विदेश मंत्रालय के नेतृत्व में समन्वय के जरिए हुआ। बातचीत में रक्षा, सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े अधिकारी शामिल थे। तेहरान और मस्कट इस समझौते के बवाजूद अभी भी कुछ लंबित मुद्दों पर काम करना जारी रखे हुए हैं। इसमें संयुक्त बयान की शब्दावली भी शामिल है। बघाई ने कहा कि जब तक यह प्रक्रिया औपचारिक रूप से पूरी नहीं हो जाती, तब तक बातचीत जारी रहेगी। बातचीत के बाद संयुक्त बयान जारी किया जाएगा।

बिहार में सफल एसआईआर के कारण हुआ रिकॉर्ड मतदान

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले-आजादी के बाद सबसे अधिक मतदान

पटना (एजेंसी)। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों के पिछले वर्ष सफलतापूर्वक कराए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण 2025 के विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने रविवार को पटना हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे विकसित देशों में दर्ज मतदान प्रतिशत से अधिक रहा। **बिहार में 70 लाख नाम हटाए गए-** ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार वो भूमि है, जहां लोकतंत्र की जननी वैशाली स्थित है। गर्व है कि पहली बार यहां एसआईआर सफलतापूर्वक कराया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री ने परेड ग्राउंड में किया ध्वजारोहण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को परेड ग्राउंड, देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन से हुआ। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान जन गण मन का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया तथा फोटो

मुख्यमंत्री ने वीर बलिदानियों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को किया नमन

प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 14 पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया। जिसमें 7 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा के आधार पर एवं 6 को विशिष्ट कार्यों के आधार पर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन करने वाले 13 खिलाड़ियों को भी मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों, वीर बलिदानियों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन किया। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों, अर्धसैनिक बलों एवं पुलिस के बहादुर जवानों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले राज्य आंदोलनकारियों एवं शहीदों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने हाल ही में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदाओं में प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन घड़ी में राज्य सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रभावित परिवारों तक शीघ्र राहत पहुंचाना, घायलों को बेहतर उपचार

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री ने की सात महत्वपूर्ण घोषणाएं

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विकास एवं जनकल्याण से जुड़ी सात महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं है। मुख्यमंत्री ने चमोली, पौड़ी एवं अल्मोड़ा में विशेष औद्योगिक पार्क स्थापित करने, प्रदेश के प्रथम 'युवा आयोग' की स्थापना करने, सीमावर्ती ग्रामों के युवाओं, भूतपूर्व सैनिकों एवं अग्निवीरों को स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापित करने के लिए अतिरिक्त सहायता एवं प्रोत्साहन देने, वर्ग-3 एवं वर्ग-4 की भूमि के विनियमितीकरण की समय-सीमा का विस्तार कर भूमिधरी अधिकार देने, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत राज्यांश

50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये करने, 18 से 30 वर्ष के युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार एवं उद्यमिता प्रोत्साहन योजना शुरू करने, आईआईटी एवं आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से निःशुल्क उद्यमिता एवं कौशल प्रशिक्षण देने तथा उद्यम स्थापित करने के लिए बैंक ऋण की 30 प्रतिशत राशि सरकार द्वारा अनुदान के रूप में देने, प्रदेश के बहादुर बच्चों को सम्मानित करने के लिए इस वर्ष से 'बाल वीरता पुरस्कार' प्रदान देने की घोषणा की।

उपलब्ध कराना तथा जिन लोगों ने अपने घर एवं आजीविका खोई है, उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करना है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव सामग्री पहुंचाने के साथ क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलों, पेयजल एवं विद्युत लाइनों को शीघ्र दुरस्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आशीष चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून प्रमेन्द्र डोभाल आदि मौजूद थे।

एक नजर

बदरीनाथ धाम में नर–नारायण महोत्सव शुरू

बदरीनाथ। भगवान नर–नारायण महोत्सव रविवार को बदरीनाथ धाम में विधिवत शुरू हो गया। माता मूर्ति मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना की गई। अब सोमवार को बामणी गांव में धार्मिक अनुष्ठान होंगे।

रविवार सुबह बदरीनाथ मंदिर में भगवान नर–नारायण की उत्सव मूर्ति का अभिषेक, पूजन, भोग और आरती मंदिर के मुख्य पुजारी रावल अमरनाथ नंबूदरी की अगुवाई में हुई। इसके बाद सुबह साढ़े नौ बजे भक्तों के साथ भगवान नर–नारायण की उत्सव डोली माता मूर्ति मंदिर के लिए रवाना हुई। माता मूर्ति मंदिर में नायब रावल सूर्यराग नंबूदरी ने भगवान का महाभिषेक कर पूजन के बाद भोग लगाया। इसके बाद डोली वापस बदरीनाथ मंदिर पहुंची। बदरीनाथ मंदिर के धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल ने बताया कि श्रावण मास की शुक्ल चतुर्थी तिथि, सूर्य के कर्क राशि में होने पर हस्त नक्षत्र पर भगवान नर–नारायण की जयंती को महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। आज ही के दिन भगवान नारायण ने माता मूर्ति के गर्भ से जन्म लिया था। बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को नर–नारायण की उत्सव डोली भगवान के जन्म स्थान बामणी गांव स्थित लीला ढूंगी जाएगी। इसके साथ ही दो दिवसीय महोत्सव संपन्न हो जाएगा। महोत्सव के दौरान बीकेटीसी के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, यदुवीर पुष्पवान, धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवार, वेदपाठी रविंद्र भट्ट, पूर्व धर्माधिकारी भुवन चंद्र उनियाल आदि मौजूद रहे।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं को तत्काल करें दूर : कौशिक

गोपेश्वर। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने रविवार को जिला सभागार में आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक की। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्यों के साथ लोगों की हर समस्याओं का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों, पोल व लाइनों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए। प्रभावित क्षेत्रों में राशन व जरूरी खाद्य सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं। प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस की तैनाती सुनिश्चित करने, घायलों व प्रभावितों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही ज्योतिर्मठ और कर्णप्रयाग के बहुगुणानगर में चल रहे सुरक्षात्मक कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्य प्राथमिकता के साथ व तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि बरसात में बंद पड़ी सड़कों को जल्द खोला जाए। बैठक में डीएम गौरव कुमार ने एसडीआरएफ नार्म्स में अर्बन रोड को शामिल करने और एसडीआरएफ के गठन में इंजीनियरों की नियुक्ति का सुझाव रखा। मंत्री ने इसका प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, दायित्वधारी चंद्रकला तिवारी, हरक सिंह नेगी, एसपी सुरजीत सिंह पंवार आदि मौजूद रहे।

अब तपोवन टनल में हो रहा पानी का रिसाव

ज्योतिर्मठ। अब तपोवन विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की टनल में खोखली जगह (कैविटी) बनने और पानी के रिसाव का मामला सामने आया है। हालांकि कंपनी ने इसे सामान्य घटना बताकर किसी तरह के संभावित खतरे से इन्कार किया है। वहीं कंपनी का कहना है कि इसका ट्रीटमेंट किया जा रहा है और श्रमिकों को वहां से हटा दिया गया है।

टीएचडीसी की पीपलपकोटी में निर्माणाधीन टनल में बीते 13 अगस्त को हुए हादसे के बाद लोग सतर्क हो गए हैं। इसी तरह का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एनटीपीसी की तपोवन परियोजना की टनल में भी पानी के रिसाव और खोखली जगह बनने की बात कही जा रही है। इसपर कंपनी की ओर से बयान जारी किया गया है।

इसमें कहा है कि परियोजना की टीबीएम क्षेत्र की टनल में शनिवार को छोटी कैविटी बनी और रिसाव हुआ है। टनलिंग प्रक्रिया के दौरान इस तरह की कैविटी हो जाना साधारण बात है। इससे किसी तरह का संभावित खतरा नहीं है। बरसात में पानी का रिसाव होना भी सामान्य बात है। श्रमिकों को मौके से हटा दिया गया है और कुछ दक्ष श्रमिकों से इसका ट्रीटमेंट कराया जा रहा है।

देहरादून में गैस सिलेंडरों से गैस चोरी का मामला, तीन लोग पकड़े गए

देहरादून। जनपद देहरादून के सौड़ा सरोली क्षेत्र में गैस सिलेंडरों से कथित तौर पर गैस चोरी करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, गैस सिलेंडर सप्लाई करने वाले तीन लोगों को गैस की चोरी करते हुए पकड़ा गया। बताया जा रहा है कि आरोपी गैस सिलेंडरों के बीच नोजल लगाकर भरे हुए सिलेंडर से खाली सिलेंडर में गैस ट्रांसफर कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें पकड़ लिया गया। घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि घरेलू गैस सिलेंडरों से इस तरह गैस निकालकर दूसरे सिलेंडरों में भरना उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी के साथ–साथ सुरक्षा के लिहाज से भी गंभीर मामला है। गैस सिलेंडरों के साथ इस तरह छेड़छाड़ से आग लगने अथवा हादसे का खतरा भी बना रहता है।

स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब यह भी जांच का विषय है कि गैस की चोरी कितने समय से चल रही थी और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भी संलिप्तता है या नहीं।

स्वतंत्रता दिवस के दिन भी धरने पर बैठे रहे ग्रामीण

चिन्यालीसौड़। भल्डगांव के सुरक्षित एवं स्थानीय पुनर्वास की मांग को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन स्वतंत्रता दिवस पर भी नहीं थमा। स्वतंत्रता दिवस पर ग्रामीणों ने धरना चौथे दिन जारी रखा और आंदोलनकारियों ने टिहरी झील में उतरकर शासन–प्रशासन तक अपनी मांग पहुंचाई। ग्रामीणों ने चेताया कि जल्द ठोस निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को और निर्णायक रूप दिया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस पर धरना स्थल पर ग्रामीणों ने तिरंगे को नमन किया और अपने अधिकार, सम्मान व सुरक्षित भविष्य की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। इसी दौरान यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल आंदोलन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के बीच बैठकर विस्थापन और पुनर्वास से जुड़ी समस्याएं सुनी और जल्द उचित पहल का आश्वासन दिया। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से अपने घर, जमीन और भविष्य की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उनकी प्रमुख मांग है कि भल्डगांव के ग्रामीणों को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण स्थानीय पुनर्वास दिया जाए।

बड़ेथी में तीन दिन से पेयजल संकट

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय के नजदीकी बड़ेथी गांव में पिछले तीन दिनों से पेयजल संकट बना है। घरों में नलों से पानी की आपूर्ति ठप होने के कारण लोगों को पेयजल के लिए इधर–उधर भटकना पड़ रहा है। फिलहाल क्षेत्रवासी स्रोतों से पानी जुटाकर अपनी जरूरत पूरी करने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बड़ेथी गांव में तीन दिन से पेयजल आपूर्ति बंद है लेकिन अब तक विभाग की ओर से समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे लोगों में विभाग के प्रति रोष है। स्थानीय निवासी मनमोहन शाह और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप रावत ने बताया कि बड़ेथी में तीन दिन से पेयजल आपूर्ति बाधित है। आशंका है कि बरसात के दौरान पेयजल लाइन में सिल्ट आने या

लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके बावजूद विभाग की ओर से अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है। बड़ेथी गाड से पेयजल लाइन बिछाई गई है जिससे पूरे क्षेत्र में पानी की आपूर्ति होती है। पेयजल लाइन में खराबी के चलते आपूर्ति ठप होने से क्षेत्र के लोग जलस्रोतों के सहारे हैं। स्थानीय लोगों ने विभाग से जल्द पेयजल आपूर्ति सुचारू करने की मांग की है।

मरगांव–चमियारी के बीच गुलदार दिखने से दहशत

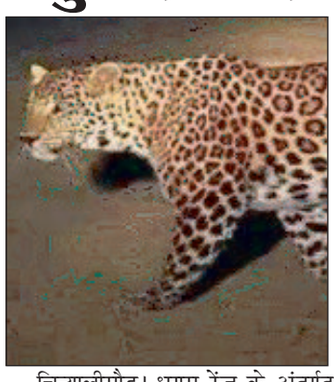

चिन्यालीसौड़। धरासू रेंज के अंतर्गत मरगांव और चमियारी गांव के बीच मोटर मार्ग पर एक साथ दो गुलदार दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। बीते कई दिनों से क्षेत्र में गुलदार दिख रहे हैं।

देवीधार डुंडा के बाद धरासू रेंज शुरू होती है। इसके आगे मरगांव और चमियारी के बीच गुलदार की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गुलदार पिछले दिनों क्षेत्र में पशुओं को अपना निवाला बना चुके हैं। स्थानीय निवासी मनोज चौहान, विनोद और अमूल आदि ने बताया कि गुलदार की लगातार दस्तक से ग्रामीणों में दहशत है।

उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी और गश्त बढ़ाने की मांग की है। धरासू रेंज के रेंज अधिकारी जगमोहन गंगाड़ी ने बताया कि वन विभाग की टीम को अलर्ट मोड पर रखा गया है। क्षेत्र में विभागीय टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। ग्रामीणों से बच्चों और पशुओं को अकेले न छोड़ने का आह्वान किया गया है। विशेषकर रात के समय बच्चों को अकेले बाहर भेजने से बचने की विभाग ने ग्रामीणों को सलाह दी है।

बिना नंबर वाहन को खनन सामग्री दी तो नपेगा क्रशर

विकासनगर। खनिज परिवहन में अब बिना नंबर या अस्पष्ट नंबर वाले वाहनों को खनन सामग्री उपलब्ध कराना स्टोन क्रशर और अन्य संबंधित इकाइयों के लिए भारी पड़ सकता है। नियमों में ऐसे मामलों में केवल वाहन स्वामी ही नहीं, बल्कि उस स्टोन क्रशर, स्क्रीनिंग प्लांट, रिटेल भंडारणकर्ता अथवा अनुज्ञाधारक की जवाबदेही तय करने का भी प्रावधान है, जहां से उपखनिज लोड किया गया हो।

खनिज परिवहन में इस्तेमाल होने वाले वाहन के आगे और पीछे स्पष्ट वाहन संख्या प्रदर्शित होना अनिवार्य है। बिना वाहन संख्या, अस्पष्ट नंबर या वैध ई–रवन्ना के बिना उपखनिज परिवहन पाए जाने पर वाहन स्वामी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

सबसे अहम प्रावधान माल उपलब्ध कराने वाली इकाई की जिम्मेदारी को लेकर है। नियमों के मुताबिक यदि किसी बिना नंबर या अस्पष्ट नंबर वाले वाहन में लदा उपखनिज किसी स्टोन क्रशर, स्क्रीनिंग प्लांट, रिटेल भंडारणकर्ता या अनुज्ञाधारक से आया है तो संबंधित इकाई के खिलाफ जिला खान अधिकारी द्वारा 5 लाख

का अर्थदंड अधिरोपित कर वसूल किए जाने का प्रावधान है। इसका मतलब यह है कि यदि जांच में यह सामने आता है कि किसी क्रशर या अन्य अधिकृत इकाई ने नियमों का उल्लंघन करते हुए ऐसे वाहन को खनन सामग्री उपलब्ध कराई, तो कार्रवाई केवल सड़क पर पकड़े गए वाहन तक सीमित नहीं रहेगी। जांच में यह भी देखा जाएगा कि वाहन में खनन सामग्री कहां से लोड हुई, ई–रवन्ना किस वाहन के नाम जारी हुआ और माल उपलब्ध कराने वाली इकाई की भूमिका क्या रही। ऐसे में खनन क्षेत्रों और क्रशर जोन में बिना नंबर अथवा अस्पष्ट नंबर वाले वाहनों के संचालन को लेकर विभागीय निगरानी भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

लाखों की कथित धोखाधड़ी का आरोपी लुधियाना से गिरफ्तार

देहरादून। लोगों को भरोसे में लेकर लाखों रुपये की कथित धोखाधड़ी करने के आरोप में फरार चल रहे आदर्श वीर धवन को राजपुर पुलिस ने पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी देहरादून के निर्देश पर पुलिस टीम ने लगातार सुरागरसी–पतारसी और संभावित ठिकानों पर दबिश देने के बाद आरोपी को लुधियाना स्थित सीएससी सेंटर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आदर्श वीर धवन के खिलाफ थाना राजपुर में धोखाधड़ी के दो अलग–अलग मुकदमे दर्ज हैं। पहला मुकदमा 13 मार्च 2026 को अनिल कुमार निवासी रिंग रोड, रायपुर की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि धवन शिकायतकर्ता और उसके साथियों के वाहन किराए पर लेकर गया और उन्हें आगे किराए पर लगाकर लाभ दिलाने का भरोसा दिया। इसी दौरान उसने करीब 45 लाख रुपये भी ले लिए। आरोप है कि काफी समय बीतने के बाद न तो

वाहन वापस किए गए और न ही रकम लौटाई गई। पुलिस के अनुसार रकम और वाहन वापस मांगने पर आरोपी की ओर से गाली–गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया। मामले में थाना राजपुर में मुकदमा अपराध संख्या 50/2026, धारा 316(2)/351(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।वहीं, 16 जुलाई 2026 को आरोपी के खिलाफ दूसरा मुकदमा दर्ज हुआ। शिकायतकर्ता देवकुश ने आरोप लगाया कि आदर्श वीर धवन ने अपनी क्रेटा कार 9.50 लाख रुपये में बेचने का सौदा किया। रकम लेने के बाद भी वाहन उनके नाम ट्रांसफर नहीं कराया गया और पैसे भी वापस नहीं किए गए। इस मामले में थाना राजपुर में मुकदमा अपराध संख्या 158/2026, धारा 316(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी, लेकिन वह अपने ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचता रहा। बाद में न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त कर पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी। मैन्युअल पुलिसिंग और सुरागरसी–पतारसी के माध्यम से पुलिस को आरोपी के लुधियाना में होने की जानकारी मिली।

शिक्षा और स्वास्थ्य की उपेक्षा पर करेंगे आंदोलन

नौगांव (उत्तरकाशी)। क्षेत्र में बदहाल शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था समेत लंबे समय से उपेक्षित जनहित के मुद्दों को लेकर अब युवाओं ने आंदोलन का रास्ता अपनाने का निर्णय लिया है। आजाद पंचायत से जुड़े युवाओं ने बैठक कर 15 सितंबर से रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन के साथ गैर राजनीतिक जन आंदोलन शुरू करने का एलान किया है। आजाद पंचायत के युवाओं ने बताया कि क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन भी भेजा गया है। लोगों ने रवांई विश्वविद्यालय की स्थापना, रवांई घाटी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, अत्याधुनिक अस्पताल की सुविधा और शिक्षा व स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की मांग की है। युवाओं ने साफ किया कि आंदोलन पूरी तरह गैर राजनीतिक और जनहित पर केंद्रित रहेगा।

बदरीनाथ हाईवे पर मैठाणा में फिर धंसी सड़क, ट्रक फंसा

मोली। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मैठाणा के पास एक बार फिर सड़क धंसने की घटना सामने आई है। सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंसने से हाईवे पर आवाजाही प्रभावित हुई और इस दौरान एक ट्रक धंसे हुए हिस्से में फंस गया। घटना के बाद मौके पर कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। मानसून और चारधाम यात्रा के बीच हाईवे के इस संवेदनशील हिस्से में बार–बार हो रहे भू–धंसाव ने यात्रियों और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मैठाणा क्षेत्र में सड़क धंसने की समस्या नई नहीं है। बरसात के दौरान इस हिस्से में भू–धंसाव की स्थिति सामने आती रही है। सड़क का हिस्सा धंसने के बाद वाहनों की आवाजाही जोखिम भरी हो जाती है। भारी वाहनों के गुजरने से स्थिति और गंभीर होने की आशंका बनी रहती है। ताजा घटना में ट्रक के सड़क के धंसे हिस्से में फंसने से मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ।

करोड़ों रुपये के उपचार के बाद भी समस्या बरकरार

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस स्थान पर बार–बार सड़क धंस रही है, वहां पूर्व में उपचार और मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है। सड़क दोबारा धंसने से पहले किए गए कार्यों की गुणवत्ता और उनकी प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही इस क्षेत्र में सड़क की स्थिति बिगड़ने लगती है। उनका आरोप है कि भू–धंसाव के मूल कारणों का स्थायी उपचार करने के बजाय कई बार सड़क की ऊपरी सतह की मरम्मत तक ही कार्रवाई सीमित रह जाती है। ऐसे में हर मानसून में सड़क धंसने का खतरा बना रहता है।

चारधाम यात्रा के बीच बढ़ी परेशानी

बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग उत्तराखंड के सबसे महत्वपूर्ण मार्गों में शामिल है। बदरीनाथ धाम की यात्रा के साथ ही यह मार्ग स्थानीय ग्रामीणों, व्यापारियों और आवश्यक सेवाओं के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। यात्रा सीजन के दौरान इस मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में सड़क का बार–बार धंसना यातायात के साथ–साथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। मानसून के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और भू–धंसाव का खतरा बढ़ जाता है। यदि संवेदनशील स्थानों की समय रहते निगरानी और आवश्यक उपचार नहीं किया गया तो सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में यातायात लंबे समय तक प्रभावित हो सकता है।

स्थायी उपचार और गुणवत्ता जांच की मांग

मैठाणा में दोबारा सड़क धंसने के बाद स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से पूरे मामले का गंभीरता से संज्ञान लेने की मांग की है। लोगों का कहना है कि मौके का तकनीकी निरीक्षण कर सड़क धंसने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाना चाहिए।

आर्मी पब्लिक स्कूल में मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों द्वारा फैंसी ड्रेस, समूहगान एवं समूह नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कर्नल कुलदीप सिरोही, सेना मेडल, डिप्टी कमांडेंट, जीआरआरसी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। इसके पश्चात सभी उपस्थितजनों ने राष्ट्रगान गाया। विद्यालय परिसर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के जयघोष से गूंज उठा तथा समूचा वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत हो गया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, समूहगान, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। कक्षा एक एवं दो के नन्हें

विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में स्वतंत्रता सेनानियों एवं राष्ट्रनायकों की वेशभूषा धारण कर मनमोहक प्रस्तुति दी। विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत समूहगान एवं समूह नृत्य ने भी समारोह में उत्साह और उमंग का संचार किया। मुख्य अतिथि कर्नल कुलदीप सिरोही ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों ने अपने अदम्य साहस, त्याग और बलिदान से हमें स्वतंत्र भारत का गौरव प्रदान किया है। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हुए एक जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से प्रेरणा लेकर देश की प्रगति, एकता एवं गौरव को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना चाहिए।

निबंध प्रतियोगिता में श्वेता, अहाना, प्रिया रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शिक्षा परामर्श केंद्र सतपुली (द न्यू होप सोसायटी) द्वारा हमारे राष्ट्रीय पर्व का महत्व विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डिवाइन लाइन पब्लिक स्कूल पाटीसैण की प्रधानाध्यापिका देवेश्वरी ने छात्रों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज सतपुली की छात्रा श्वेता कक्षा 9 ने प्रथम, ग्रीन पब्लिक स्कूल सतपुली की छात्रा अहाना कक्षा 8 ने द्वितीय, इंटर कालेज सतपुली की छात्रा प्रिया कक्षा 6 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शिक्षा परामर्श केंद्र के प्रबंध निदेशक डॉ. विजेन्द्र सिंह उत्तराखंडी ने कहा कि हमें अच्छे नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वोच्च योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों को स्पोर्ट्स ड्रेस वितरित की गयी। प्रतियोगिता में आकांशा, प्रत्याशी, शिया, रिया, वंश, जिया, अभय, हर्षित, अरहम, शिवांश, नेहा, अंकिता, शिवानी, प्रिंस, रिया, प्रिया आदि बच्चों ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

विस अध्यक्ष ने किया अस्पताल का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण ने राजकीय बेस हॉस्पिटल, कोटद्वार का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उपचाररत मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण उपचार, सम्मानजनक व्यवहार और आवश्यक सुविधाएं मिले, यह सुनिश्चित करना अस्पताल प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है।निरीक्षण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने मरीजों से उनके उपचार, चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाइयों की व्यवस्था तथा अस्पताल में मिल रही अन्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से यह भी जाना कि उन्हें उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है। अस्पताल निरीक्षण के दौरान चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित मिले। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक पाई गई। व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया।

संत निरंकारी मिशन दे रहा आंतरिक स्वतंत्रता का संदेश

श्रीनगर गढ़वाल : स्वतंत्रता दिवस पर संत निरंकारी सत्संग भवन श्रीनगर में मुक्ति पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में संयोजक महात्मा जगदीश सिंह जेठूली ने सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का संदेश देते हुए कहा कि वास्तविक स्वतंत्रता केवल बाहरी बंधनों से मुक्ति नहीं, बल्कि अज्ञान, अहंकार और भेदभाव से मुक्त होकर आत्मबोध और परमात्मबोध की अनुभूति प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि संत निरंकारी मिशन ब्रह्म ज्ञान के माध्यम से आंतरिक स्वतंत्रता का संदेश दे रहा है। कार्यक्रम में निरंकारी मिशन की शकुंतला पांडे, कुसुम पंत, भक्त निरंकारी, राजेंद्र प्रसाद सकलानी, केपी नौटियाल, नीलम श्रीकोटी, रजनी भंडारी, उर्मिला देवी, अंजू देवी, रूपा रावत व मीडिया प्रभारी गम्मा सिंह आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार कि खिलाफ किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद भाजपा की ओर से कार्यक्रम स्थल का कथित रूप से शुद्धिकरण किए जाने के विरोध में महानगर कांग्रेस कमेटी श्रीनगर ने सत्याग्रह मार्च निकाला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। रविवार शाम बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गोला पार्क में एकत्रित हुए और यहां से सत्याग्रह मार्च निकाला। मार्च में महिला कार्यकर्ताओं ने भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं। महानगर कांग्रेस कमेटी के नगर अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल ने कहा कि कांग्रेस इस तरह की राजनीति का विरोध करती है और इसी के खिलाफ शांतिपूर्ण सत्याग्रह मार्च निकाला गया। इस मौके पर बीरेंद्र नेगी, सुधांशु नौडियाल, शमीम अहमद, शिवलाल, निशांत कंडारी, सतीश पटवाल, अंजू भट्ट, देवी प्रसाद गोदियाल, विजय, भगत सिंह डागर आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

अतिवृष्टि से कोट और विशन गांव के घरों में घुसा मलबा

घनसाली (टिहरी)। बालगंगा तहसील में गत रात्रि हुई अतिवृष्टि से बूढ़ाकेदार क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोट और विशन के कई घरों में मलबा घुस गया, जिससे ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई। मलबे के चलते एक परिवार के शौचालय की दीवार ढह गई।ग्रामीण राजेंद्र लेखवार ने बताया आपदा की दृष्टि से बूढ़ाकेदार क्षेत्र का कोट गांव और विशन गांव अति संवेदनशील है। वर्ष 2002 की आपदा में गांव के तीन लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2018 में 32 और 2022 में 28 परिवारों का विस्थापन किया गया। लेकिन अन्य प्रभावित परिवारों का अभी तक विस्थापन नहीं किया जा सका है। अतिवृष्टि के कारण कोट गांव निवासी उम्मेद सिंह, संतोष और कुंदन सिंह के घरों के आंगन में भारी मलबा आ गया। साथ ही विशन गांव के गदेरे के उफान आने से बूढ़ाकेदार–घडियाल सौंड़ की सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। गांवों की पेयजल लाइन, संपर्क मार्ग सहित कई अन्य परिसंपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है।

प्रभात फेरी में गूंजे राष्ट्रभक्ति के नारे

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कोटद्वार नगर निगम के महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने नगर क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की शुरुआत तहसील परिसर से हुई। यहां महापौर ने विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाथों में तिरंगा और जुबां पर देशभक्ति के नारों के साथ निकली प्रभात फेरी ने पूरे नगर को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। इसके बाद प्रातः 9 बजे कोटद्वार नगर निगम परिसर में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने राष्ट्रध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ और उपस्थित लोगों ने तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रमों की अगली कड़ी में मालवीय उद्यान में भी महापौर ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी गई तथा उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान को स्मरण करने का दिन है, जिनके संघर्ष से देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए स्वच्छ, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए। महापौर ने युवाओं और विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवा पीढ़ी के हाथों में है। शिक्षा, अनुशासन, नवाचार, राष्ट्रसेवा और सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन का हिस्सा बनाकर युवा देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने नगरवासियों से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने तथा नगर के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोटद्वार को स्वच्छ, सुंदर, व्यवस्थित और विकसित नगर बनाने के लिए नगर निगम के प्रयासों के साथ नागरिकों की सहभागिता भी जरूरी है। कार्यक्रमों में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी, विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के नारों और राष्ट्रगान से वातावरण राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत रहा। अंत में उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा तथा भारत को विकसित और सशक्त राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

जनपद में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जनपद में 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान जनपद के सभी नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों और सभी शिक्षण संस्थानों में ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।विकास खंड कल्जीखाल कारगिल शहीद धर्म सिंह रावत इण्टर कॉलेज, राइंकॉ पुरियाडांग, अटल उत्कृष्ट विद्यालय राइंकॉ कांसखेत, जीजीआईसी घंडियाल, सरस्वती विद्या मंदिर घंडियाल, व्यापार मंडल घंडियाल, सहकारी साधन समिति घंडियाल एवं बनेख आदि क्षेत्र में आजादी का अमृत महोत्सव स्वतंत्रता दिवस हर्ष उल्लास से मनाया गया। वहीं विकास खंड कल्जीखाल की ग्राम पंचायत डांगी में ग्रामीणों ने स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। इस दौरान महिलाओं ने देशभक्ति के गीत गाए। इस मौके पर प्रवासी लक्ष्मी चौहान, लोकसभा सचिवालय में सुरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत राजेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि गांवों के लोगों को संगठित होकर समाजिक योगदान में बढ़चढ़ सहयोग करना चाहिए। गांव में निरंतर स्वच्छता आदि कार्यक्रम चलना चाहिए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने स्वच्छता अभियान चलाया। कार्यक्रम में संवारी देवी, ग्राम पंचायत सदस्य बृंदा रावत, पूर्व सैनिक शीशपाल सिंह चौहान, पूर्व प्रधान भगवान सिंह चौहान, वन पंचायत सरपंच मीना देवी, समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, सेवानिवृत शिक्षक धीरज सिंह चौहान, कांता देवी, सरोजनी देवी, पुष्पा देवी आदि मौजूद थे।

पीएलवी पुष्पेंद्र राणा सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर पौड़ी में आयोजित कार्यक्रम में जिला जज पौड़ी धर्म सिंह ने सतपुली के पीएलवी पुष्पेंद्र राणा को विधिक जागरूकता एवं जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर नगर पंचायत सतपुली की ओर से पुष्पेंद्र राणा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। नगर पंचायत ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आमजन को उनके विधिक अधिकारों और निःशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी पहुंचाने में उनका योगदान सराहनीय है।

आवारा कुत्तों की नसबंदी और रेबीज टीकाकरण की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : नगर पंचायत क्षेत्र में बढ़ती आवारा कुत्तों की संख्या और लगातार सामने आ रही कुत्तों के काटने की घटनाओं को लेकर प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल सतपुली ने नगर पंचायत अध्यक्ष को पत्र सौंपकर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आवारा कुत्ते छोड़े जाने पर 10 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान किए जाने की मांग की है। व्यापार मंडल अध्यक्ष जयदीप नेगी ने सभी आवारा कुत्तों की नस बंदीकरण और रेबीज टीकाकरण कराने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि नगर पंचायत क्षेत्र में आए दिन आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और आम लोगों को काटने की शिकायतें मिल रही हैं। कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ने से भविष्य में समस्या और गंभीर होने की आशंका जताई गई है। व्यापार मंडल ने सुझाव दिया कि नगर पंचायत की बड़खेत स्थित गौशाला में आवारा कुत्तों को चरणबद्ध तरीके से ले जाकर नसबंदी और रेबीज टीकाकरण कराया जाए।

हाथी की लगातार आवाजाही से सीला गांव के ग्रामीणों को खतरा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा ब्लॉक के राजस्व ग्राम सीला में हाथी की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। बीते दिन से वन विभाग और ग्रामीणों की संयुक्त टीम हाथी को जंगल की ओर भेजने का प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। ग्रामीणों के अनुसार पिछले करीब दो सप्ताह से हाथी आसपास के क्षेत्रों में लगातार आवाजाही कर रहा है। वन विभाग और ग्रामीणों की संयुक्त टीम हाथी की निगरानी करते हुए उसे आबादी से दूर करने के प्रयास में जुटी है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब तीन सप्ताह पूर्व भी हाथियों के एक दल ने सीला क्षेत्र में डेरा डालकर ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। इससे पहले हाथियों का दल घिल्डियाल गांव में भी देखा गया था। क्षेत्र में पानी और चारे की उपलब्धता के चलते हाथियों ने सीला का रुख किया। गांव के बीच से बहने वाली सिलगाड़ नदी में पर्याप्त पानी और आसपास चारापत्ती मिलने के कारण क्षेत्र हाथियों का अस्थायी ठिकाना बन गया था। हाथी भंडारसेरा के समीप तक पहुंच गए थे। हाथियों के दल क्षेत्र से चले जाने के बाद अब एक हाथी सीला क्षेत्र में पहुंच गया है। ग्रामीणों और वन विभाग की टीम ने हाथी को फुलणसैंण के निकट तक पहुंचाया। ग्राम प्रधान किरन देवी, सुधीर असवाल और कैलाश चंद्र ने कहा कि हाथी की लंबे समय तक क्षेत्र में मौजूदगी ग्रामीणों की आवाजाही के लिए खतरा बन सकती है।

संपादकीय

टनल दुर्घटनाएं भविष्य की चुनौतियां

चमोली के पीपलकोटी क्षेत्र में निर्माणाधीन टनल में हुए हादसे में आठ लोगों की मृत्यु हो चुकी है और अभी फिलहाल टनल में लापता दो लोगों की तलाश की जा रही है। उत्तराखंड में लगातार ऐसी परियोजनाओं में घटित हो रहे हादसे पूरे देश के लिए एक गंभीर चेतावनी है। सुरंग के भीतर अचानक पानी, मलबा और पत्थरों के घुसने से कई श्रमिकों की जान चली गई और अनेक परिवारों के सपने पल भर में उजड़ गए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब उत्तराखंड पहले भी सिलक्यारा जैसी दर्दनाक सुरंग दुर्घटना का सामना कर चुका है। पहाड़ों में विकास आवश्यक है। सड़कें, सुरंगें और जलविद्युत परियोजनाएं राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन विकास का अर्थ केवल बड़े–बड़े निर्माण कार्य नहीं होता, बल्कि उन परियोजनाओं में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि विकास की कीमत श्रमिकों के जीवन से चुकानी पड़े, तो उस विकास पर पुनर्विचार करना ही पड़ेगा। पीपलकोटी हादसे ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या हिमालयी क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों का पूरी गंभीरता से पालन किया जा रहा है? हादसे से बचे कुछ श्रमिकों के अनुभव बताते हैं कि सुरंग में अचानक पानी और मलबा इतनी तेजी से घुसा कि संभलने का अवसर तक नहीं मिला।उत्तराखंड की पहाड़ियां भूस्खलन, भूधंसाव और भूगर्भीय परिवर्तनों के प्रति लगातार संवेदनशील रहती हैं। ऐसे में किसी भी निर्माण परियोजना में केवल इंजीनियरिंग ही नहीं, बल्कि भूवैज्ञानिक सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। आधुनिक सेंसर, नियमित सुरक्षा ऑडिट, जोखिम मूल्यांकन और आपातकालीन निकास व्यवस्था जैसी व्यवस्थाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह भी है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच के आदेश दिए जाते हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं और कुछ समय बाद मामला धीरे–धीरे भुला दिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों ने अपने कमाने वाले सदस्य खो दिए, उनके लिए यह हादसा जीवन भर का दर्द बन जाता है। इसलिए केवल राहत राशि देना पर्याप्त नहीं है। जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और यदि कहीं लापरवाही हुई है तो उसके लिए कठोर कार्रवाई भी होनी चाहिए। पीपलकोटी की यह दुर्घटना केवल एक खबर नहीं है। यह एक चेतावनी है कि विकास और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए बिना प्रगति का कोई भी मॉडल टिकाऊनहीं हो सकता। उत्तराखंड के पहाड़ यही संदेश दे रहे हैं कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ बहुत महंगाहै पड़ने वाला है।

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

नाग पंचमी : प्रकृति के प्रति सम्मान और सह-अस्तित्व का पर्व

सुनील कुमार महला

भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है-नाग पंचमी। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में नाग पंचमी का पावन पर्व 17 अगस्त (सोमवार) को मनाया जाएगा। जानकारों के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 16 अगस्त को दोपहर 4:52 बजे से शुरू होकर 17 अगस्त को शाम 5:00 बजे समाप्त होगी, और उदया तिथि के कारण यह त्योहार 17 अगस्त को ही मनाया जाएगा। इस दिन नाग की पूजा की जाती है। दरअसल,नागों(सर्पों) को प्रकृति, शक्ति, सुरक्षा, उर्वरता और पर्यावरणीय संतुलन के प्रतीक माना गया है। इस पर्व का धार्मिक महत्व है। भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण कर रखा है, उनके गले में नाग का विराजमान होना उनके प्रकृति और समस्त जीव-जगत के साथ सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु की शेषनाग पर शयन मुद्रा भी नागों के धार्मिक महत्व को दशार्ती है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, सुरक्षा और कल्याण की कामना की जाती है। जीव-जंतुओं का भारतीय संस्कृति में हमेशा हमेशा से महत्वपूर्ण व अहम् स्थान रहा है और जीव-दया, जीवों के प्रति करूणा, सह-अस्तित्व की भावना हमारे देश की संस्कृति रही है। नाग या सर्प खेतों में चूहों जैसे कृंतकों की संख्या नियंत्रित करके फसलों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए सर्पों को किसान का मित्र कहा जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि सर्प विभिन्न जीवों की आबादी को नियंत्रित करके खाद्य-श्रृंखला(फूड चेन) को संतुलित रखते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता को बनाए रखने में सर्पों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि,यह बात अलग है कि सर्प स्वयं भी बाज, उल्लू, नेवला, मोर और अन्य जीवों के भोजन का हिस्सा हैं। इसलिए उनका अस्तित्व खाद्य-जाल की अनेक कड़ियों को प्रभावित करता है। प्रकृति का अपना एक सिस्टम है और इस सिस्टम में हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जीव की अपनी भूमिका व महत्व है और सर्प भी उनमें से एक है, लेकिन आज सर्पों को मार दिया जाता है और प्रकृति चक्र को डिस्टर्ब कर दिया जाता है,यह ठीक नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो सर्पों से भय के कारण उन्हें मार देना पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। यदि हम सर्पों को मारेंगे तो धरती पर चूहों और कृंतकों की संख्या बढ़ सकती है, फसलों पर दबाव बढ़ सकता है, जैसा कि चूहे और अन्य कृतंक बीज, अनाज और पौधों को अधिक नुकसान पहुँचा सकते हैं। सर्प नहीं होंगे तो इससे हमारी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो जाएगी, क्यों कि सर्प मोर, नेवला और अन्य शिकारी पक्षियों का भोजन हैं,जो पर्यावरण और प्रकृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सर्प नहीं होंगे तो हमें चूहों व अन्य कृतंकों से फसलों को बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों, पेस्टीसाइड्स , दवाओं का इस्तेमाल करना पड़ेगा, जिससे रासायनिक उपायों पर निर्भरता बढ़ सकती है, इसलिए इनको बचाना,इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि

भारत में हर वर्ष अनुमानतः 58 हजार लोगों की मृत्यु सर्पदंश से होती है, जिससे भारत विश्व में सर्पदंश मृत्यु के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है; हालांकि उपचार एवं मृत्यु के मामलों की कम रिपोर्टिंग के कारण वास्तविक आंकड़ा अलग हो सकता है, लेकिन बावजूद इसके हमें यह याद रखना चाहिए कि सर्प प्रकृति के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। जैसा कि ऊपर इस

आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि वे चूहों और अन्य कृंतकों की संख्या नियंत्रित कर खेतों तथा खाद्यान्न की रक्षा करने में सहायता करते हैं और खाद्य-श्रृंखला को संतुलित बनाए रखते हैं। सर्प स्वयं भी अनेक पक्षियों और वन्यजीवों के भोजन का हिस्सा हैं, इसलिए उनका संरक्षण जैव-विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। सर्पों के प्रति भय नहीं, बल्कि सावधानी और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नाग पंचमी का पर्व हमें नाग जैसे महत्वपूर्ण जीव का संरक्षण कख संदेश देता है। संक्षेप में कहें तो आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और करुणा को जोड़ना ही नाग पंचमी का वास्तविक व असली संदेश है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

अब 'दिमागी नक्सली', प्रधानमंत्री ने छेड़ी नई बहस..!

ऋतुपर्ण दवे

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 80वें स्वाधीनता दिवस पर उद्बोधन के दौरान विरोधियों पर कसा गया तंज अब नई और राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री की दिमागी नक्सलवाद कह कर की गई टिप्पणी ने नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री ने किसे या किन्हें दिमागी नक्सली कहा, क्या विपक्ष और आंदोलनकारी छात्रों को या सरकार पर उंगली उठाने वाले हरेक को या फिर संसद न चलने देने वाले विपक्ष को? निश्चित रूप से इस टिप्पणी पर अभी आगे काफी कुछ सियासत होनी तय है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलियों से तो निपट लिया गया, लेकिन अब देश को ह्यदिमागी नक्सलियोंह्ण से सतर्क रहने और उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने दशकों तक देश के बड़े हिस्से को प्रभावित किया जिसमें हजारों लोगों की जान गई। उनका इशारा था कि अब इस चुनौती के एक दूसरे स्वरूप यानी दिमागी नक्सलवाद से निपटना जरूरी हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपनी टिप्पणी में दिमागी नक्सली की कोई स्पष्ट या औपचारिक परिभाषा तो दी नहीं और न ही कोई कानूनी परिभाषा बताई। भले ही उनकी टिप्पणी इशारों में रही, लेकिन राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इसके मायने बहुत गहरे हैं। जंतर-मंतर पर हाल ही में जिस तरह कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले छात्र आंदोलन हुआ जो देखते-देखते

देश का एक बड़ा और अप्रत्याशित आन्दोलन बन खड़ा हुआ। अब उसके फैलते जाने का अंदेशा भी दिखाई दे रहा है। कहीं उसी पर तो यह टिप्पणी नहीं की? या फिर हाल ही में संसद में लगातार गतिरोध बने रहने और नेता विपक्ष राहुल गांधी के तमाम मंचों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देने की खीझ पर तो निशाना नहीं लगया?

सच यह है कि हाल के दिनों में जेन-जी के जंतर-मंतर पर आन्दोलन के बाद 12 वर्षों में पहली बार मोदी सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा। उससे भी गंभीर और बड़ी बात यह कि इस मुद्दे को विपक्ष खासकर राहुल गाँधी ने लपक लिया और संसद से सड़क तक प्रभावशाली तरीके से उठाया। निश्चित रूप से जेन-जी आन्दोलन के चलते महज युवा ही नहीं बल्कि उनके अभिभावक भी नाराज दिखे। इससे पहली बार लगा कि मोदी सरकार परेशान है। देखते ही देखते छात्रों की पिटाई, बिना वर्दी के पुलिस वालों की मौजूदगी, पैलेट गन और कील लगी लाठियों के उपयोग को राहुल ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया। कहीं दिमागी नक्सली कहकर उनका इशारा इसी पर तो नहीं था?

क्या प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल करके देश को सुरक्षा, वैचारिक स्थिरता और सामाजिक एकता से जुड़ाव रखने का साफ और कड़ा संदेश तो देने की कोशिश तो नहीं की? अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को हिंसा और अराजकता से दूर रहना होगा और विकास तथा रचनात्मक कार्यो में सहयोग देना होगा। जाहिर है प्रधानमंत्री दिमागी नक्सलवाद के जरिए विरोधियों को लताड़ तो लगा रहे थे। साथ ही रूठे या उनसे नाराज जेन-जी को भी संदेश दे रहे थे कि वो रचनात्मक कार्यों में सहयोग करें। जंगली नक्सली खत्म हो गए हैं लेकिन जो दिमागी नक्सली सिर उठा रहे हैं, उन्हें पहचानने की बात किसके लिए कह गए? उन्होंने आगे जो कहा वह और भी खास है जिसमें जंगल नक्सलियों की जगह अब शहरों, शिक्षण संस्थानों और बौद्धिक मंचों पर सक्रिय दिमागी नक्सल के लेने की बात कह, सरकार का विरोध करने वालों को तिलमिला दिया। उन्होंने इनसे सावधान रहने का आगाह भी किया। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं जिन्हें पहचानना होगा। उन्होंने साफ किया कि यह वर्ग सीधे हथियार नहीं उठाता, बल्कि अपनी विचारधारा से देश में भ्रम और अराजकता फैलाने की फिराक में रहता है। पहले भी अर्बन नक्सली कहे जाने पर हंगामा हुआ था जिस पर संसद में बताया गया कि संसद में अर्बन नक्सल शब्द की कोई औपचारिक कानूनी परिभाषा नहीं है। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि कानून के तहत इस शब्दावली को परिभाषित नहीं किया गया। हाँ, राजनीतिक बयानों और बहसों में इसका उपयोग अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा और वैचारिक विरोध के संदर्भ में किया जाता है। आगे क्या दिमागी नक्सल पर भी यही होगा।

काँग्रेस ने दिमागी नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी को उनकी घबराहट बताया तो प्रधानमंत्री मोदी के दिमागी नक्सल बयान पर कॉकरोच जनता पार्टी की प्रतिक्रिया ने इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब सवाल यह है कि सरकार और विपक्ष इस बहस को किस दिशा में ले जाते हैं। राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जहाँ सीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उल्टा सरकार से सवाल पूछा कि शिक्षित युवाओं को नक्सली कहना कितना उचित है? साथ ही यह भी चेताया कि कि देश के हर जिले में एक नया जंतर-मंतर जन्म ले रहा है। यह वह जगह होगी, जहां निराश लोगों को उम्मीद और कमजोर लोगों को एकजुट होने की ताकत मिलेगी। सीजेपी ने सत्ता पक्ष पर युवाओं और जेन-जी को बांटने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। सीजेपी की यह टिप्पणी कि इतिहास बताता है कि एकजुट जनता से अधिक शक्तिशाली कुछ नहीं होता, वो बांटेंगे, हम जोड़ेंगे। वो डर फैलाएंगे, हम साहस फैलाएंगे। अब मन डर से मुक्त है और वापसी का रास्ता नहीं है।

जाहिर है कि दिमागी नक्सली को लेकर अभी काफी कुछ बयान, विरोध, हंगामा और बहुत कुछ देखने मिलना तय है। अब यह वक्त ही तय करेगा दिमागी नक्सली वाली टिप्पणी किस पर कितना भारी पड़ती है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

ललित गर्ग

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है।

संसदीय मयार्दाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मयार्दा होती है। यदि

विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों-सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार वोट देने से मजबूत नहीं होता, लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता अपने प्रतिनिधियों से निरंतर जवाब मांगती है। हंगामा किसी दल की विजय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की सामूहिक पराजय है। संसद चलेगी तो प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रश्न पूछे जाएंगे तो सरकार जवाब देगी, जवाब मिलेगा तो नीतियों की समीक्षा होगी और सार्थक कानून बनेंगे। यही लोकतंत्र की जीवन-धारा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोलंबिया भूकंप : मलबे से निकली उम्मीद, फिर मौत की आगोश में

कोलंबिया (एजेंसी)। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप ने अब तक 290 से अधिक लोगों की जान ली है, जबकि करीब 4,000 घायल हुए हैं। सैकड़ों लोग लापता हैं, और बचावकर्मी लगातार उनकी तलाश में जुटे हैं। इस भीषण त्रासदी के बीच, 32 वर्षीय डेनिएला लार्गो की कहानी ने पूरे देश को एक पल की उम्मीद दी थी। मलबे में करीब 37 घंटे तक फंसी रहने के बाद, उन्हें परेरा शहर में सुरक्षित बाहर निकाला गया था। उनके सकुशल निकलने पर लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की थी, और वे कोलंबिया के लिए एक उम्मीद की किरण बनी थीं। हालांकि, यह खुशी अल्पकालिक साबित हुई। शुक्रवार (14 अगस्त) को गंभीर चोटों के कारण डेनिएला का निधन हो गया। वे अपने पीछे एक 12 वर्षीय बेटा छोड़ गई हैं। उनकी मां ने बताया, मैं बस यही चाहती हूं कि यह सब जल्द खत्म हो जाए। डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, अभी भी 320 से अधिक लापता लोगों की तलाश जारी है। भूकंप से 86 इमारतें पूरी तरह ढह गईं, जबकि 1500 से ज्यादा घरों, 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को नुकसान पहुंचा है। देशभर में सात हवाई अड्डों पर परिचालन रोक दिया गया है और पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी है। राष्ट्रपति ने राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए आपातकालीन समिति की बैठक बुलाई है।

करीबा झील में नाव डूबी, 72 की मौत, 18 बच्चे भी शामिल

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे की करीबा झील में हुए नौका हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हुई है, जिसमें हाल ही में 26 और शव बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 18 बच्चे भी शामिल हैं। तेज लहरों के कारण यह पुरानी नौका पलट गई थी। यह नौका करीबा शहर से ग्रामीण इलाकों और मछुआरा समुदायों की बस्तियों की ओर जा रही थी, जहाँ सड़कें क्षतिग्रस्त हैं और सार्वजनिक परिवहन के साधन बहुत कम हैं। अनुमान है कि नौका में 153 यात्री सवार थे, जबकि प्राधिकारियों के अनुसार इसकी क्षमता केवल 90 यात्रियों की थी। जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि 77 लोगों को बचाया गया है। हालांकि, प्राधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि नौका में कुल कितने लोग सवार थे या कितने लोग लापता हैं। मृतकों में शामिल बच्चों में 16 की उम्र 10 वर्ष या उससे कम थी, और सबसे छोटा बच्चा मात्र एक वर्ष का था।

दक्षिणी लेबनान पर इजराइल ने किए हवाई हमले, 7 लोगों की मौत

बैरूत (एजेंसी)। दक्षिणी लेबनान पर शनिवार तड़के हुए इजराइल के हवाई हमले में सात आम लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने जानकारी देते हुए बताया कि बचावकर्मी और चिकित्सक अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह हवाई हमला 26 जून को लेबनान और इजराइल के बीच घोषित ''फ्रेमवर्क समझौते'' के बाद से सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। इस समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की वापसी के बदले ईरान समर्थित हिज्बुल्ला संगठन को निरस्त्र करने की योजना तय की गई थी।

पहले 900 लोगों को नौकरी से निकाला, अब खुद तलाश रहे जॉब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की ऑनलाइन मॉर्गेज कंपनी बेटर डॉट कॉम के संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल गर्ग एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गए हैं। करीब पांच साल पहले उन्होंने एक वीडियो मीटिंग के जरिए एक झटके में करीब नौ सौ कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया था, जिसके बाद उनके कामकाज के तरीके और फैसले की वैश्विक स्तर पर भारी आलोचना हुई थी। अब समय का पहिया ऐसा घूमा है कि हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। जिस कंपनी की कमान कभी पूरी तरह विशाल गर्ग के हाथों में थी, उसी कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से हटा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि अब विशाल गर्ग अपनी वही पुरानी कुर्सी वापस पाने के लिए वकीलों के माध्यम से कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। इसी बीच खुद के लिए जॉब की तलाश भी करने में जुटे है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अमेरिका ने हटाया अंतिम विमानवाहक पोत , अब चीन ने उड़ाया मजाक

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रशासन ने ईरान के साथ जारी संघर्ष और मध्य पूर्व में चल रहे सैन्य अभियानों को प्राथमिकता देते हुए एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अपने अंतिम विमानवाहक युद्धपोत को भी वापस बुला लिया है। इस सामरिक बदलाव पर चीन ने खुली प्रतिक्रिया देते हुए क्षेत्र के कई एशियाई सहयोगी देशों का मजाक उड़ाया है और कटाक्ष किया है कि अमेरिका ने उन्हें धोखा दे दिया है। जानकारी के अनुसार, यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन नामक इस युद्धपोत को अब मध्य पूर्व में तैनात यूएसएस अब्राहम लिंकन के स्थान पर भेजा गया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के बाद पश्चिमी प्रशांत महासागर में अमेरिका का एक भी विमानवाहक पोत मौजूद नहीं है, जिससे ताइवान, जापान और फिलीपींस जैसे एशियाई सहयोगी देशों की सुरक्षा चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी व्यापक सैन्य अभियानों और तनाव के कारण अमेरिकी नौसेना के जहाजों और सैनिकों पर अत्यधिक दबाव बन गया है। निरंतर समुद्री तैनाती के चलते सैनिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उसके दावों के बिल्कुल विपरीत है, जिसका सीधा फायदा उठाते हुए चीन क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन का रूस पर बड़ा हमला, रोसकॉसमॉस से जुड़ा समारा सेंटर क्षतिग्रस्त

-राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा- रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए

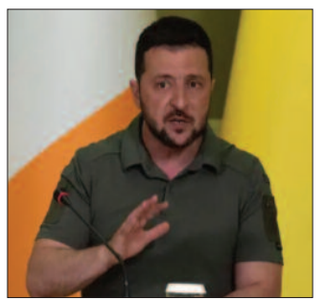

मास्को (एजेंसी)। रूस के दक्षिण-पश्चिमी समारा क्षेत्र में शनिवार को यूक्रेन ने बड़ा हमला किया, जिसमें औद्योगिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रूस के एक अधिकारी ने बताया कि वायु रक्षा बलों ने ÷बड़े पैमाने पर÷ मिसाइल हमले को विफल कर दिया, हालांकि शहर के औद्योगिक प्रतिष्ठानों को ÷स्थानीय स्तर पर नुकसान÷ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों को चिकित्सा सहायता दी, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के हवाई हमले तेज कर दिए हैं। उसका मकसद युद्ध के लिए मॉस्को के राजस्व में कटौती करना और रूस के लोगों को हमले के परिणामों का एहसास कराना है। रूस-यूक्रेन युद्ध पांचवें साला में प्रवेश कर चुका है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी बलों ने समारा स्थित प्रोग्रेस सेंटर पर हमला किया। यह रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकॉसमॉस के तहत काम करता है और रॉकेट प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि इस प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन में निर्मित फ्लेमिंगो मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। यह स्थान यूक्रेन की सीमा से करीब 900 किलोमीटर दूर है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अग्रिम मोर्चे से करीब 700 किलोमीटर दूर स्थित रूस के सावास्लेइका हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया गया है। जेलेंस्की ने लिखा- शांति की जरूरत है और यह रूस में साफ तौर पर दिखाई देना चाहिए। विशिष्ट प्रतिष्ठानों को ठोस नुकसान के जरिए। यूक्रेन के अधिकांश हमलों की मारक क्षमता 200 किलोमीटर से कम है, लेकिन इस साल उसके लंबी दूरी के हमलों में काफी वृद्धि हुई है।

स्वतंत्र संघर्ष निगरानी संस्था एसीएलईडी के आंकड़ों के मुताबिक यूक्रेन ने जुलाई में इस तरह के हमले जनवरी की तुलना में तीन गुना ज्यादा कर दिए हैं। रूस के अंदर दूर तक बार-बार किए जा रहे हमलों के कारण रूसी सेना को बड़े क्षेत्र में अपनी वायु रक्षा व्यवस्था तैनात करनी पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने रूस के 19 क्षेत्रों के अलावा काला सागर, आजोव सागर और रूस द्वारा कब्जे में लिए गए यूक्रेनी क्षेत्र क्रीमिया के ऊपर यूक्रेन के 598 ड्रोन मार गिराए। स्थानीय अधिकारी आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि वहीं, मॉस्को क्षेत्र के शातुरा शहर में यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक निजी मकान को निशाना बनाए जाने से दो लोग घायल हुए। उन्होंने बताया कि घायलों में नौ साल का एक बच्चा भी शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दूसरी ओर, दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में शनिवार को एक अपार्टमेंट पर रूस के हमले में तीन महीने के एक बच्चे की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। दिनप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने कहा कि मारहानत्स शहर में इमारत को ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने शनिवार को देश पर 152 ड्रोन दागे, जिनमें से 124 को नष्ट कर दिया गया।

बेल्जियम में खुदाई में मिला 900 करोड़ का सोना, मजदूरों की आंखें खुली रह गई

बेल्जियम। बेल्जियम में सीवर लाइन की खुदाई कर रहे एक 18 वर्षीय मजदूर सहित उसके साथियों को जमीन के नीचे छिपा करीब 9 मिलियन यूरो भारतीय मुद्रा में (लगभग 900 करोड़ रुपये) का सोना मिला है। यह घटना ब्रसेल्स से करीब 30 किलोमीटर दूर सिंट-गिलिस-डेंडरमोंडे में एक पुरानी शराब बनाने की फैक्ट्री के परिसर में हुई। मजदूरों को शुरुआत में कुछ सिक्के दिखाई दिए. जिन्हें उन्होंने सामान्य एक यूरो के सिक्के समझा। आगे खुदाई करने पर सोने की ईंटें और सिक्के मिलने लगे। जांच में पता चला कि सोना एक पुराने भवन की तहखाने की दीवार में ईंटों के पीछे छिपाकर रखा गया था। खजाने में सोने के सिक्कों के अलावा नंबर वाले गोल्ड बार भी शामिल हैं। मजदूरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पूरा खजाना सुरक्षित सरकारी भंडार में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने सोने के असली मालिक और उसके स्रोत की जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं सोना चोरी या किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ा तो नहीं है। बेल्जियम कानून के तहत संभावित दावेदारों को अपना अधिकार जताने के लिए पांच वर्ष का समय मिलता है। अभी कोई दावेदार सामने नहीं आया है।

ह्यूस्टन में गूंजा जय हिंद: भारतीय समुदाय ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

ह्यूस्टन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय समुदाय ने पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। भारतीय महावाणिज्य दूतावास परिसर में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह-सुबह पहुंचे लोगों के लिए परिसर को गेंदों की मालाओं और ध्वज के तीन रंगों की झालरों से खूबसूरती से सजाया गया था।

कार्यक्रम का आरंभ उपस्थित लोगों द्वारा एक स्वर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से हुआ। इसके बाद फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच ध्वजारोहण हुआ और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान जन गण मन गाया। महावाणिज्य दूत डी. सी.मंजूनाथ ने ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्र के नाम दिए संबोधन को पढ़ा। उन्होंने समुदाय को भारत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया और विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

समारोह में देशभक्ति गीतों का गायन हुआ, विकसित भारत विषय पर विशेष रूप से तैयार चित्रों की प्रदर्शनी लगी और भारत को जानिए प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की कुलाधिपति रेणु खटोर, फोर्ट बेंड काउंटी के न्यायाधीश डेनियल वोंग, हैरिस काउंटी की आयुक्त लेस्ली ब्रियोनेस सहित कई निर्वाचित अधिकारियों और नगर निकाय संगठनों के प्रमुखों ने भी भाग लिया। महावाणिज्य दूतावास में कार्यक्रम के बाद, मंजूनाथ ने इंडिया हाउस ह्यूस्टन स्थित ओ. पी. जिंदल सेंटर में आयोजित अन्य समारोह में भी भारतीय समुदाय के नेताओं और सदस्यों के साथ भाग लिया।

इंडोनेशिया में फिर आया 6.5 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं; अब तक 47 मौतें

-समुद्र का पानी पीछे हटा तो भागने लगे लोग, सुरक्षित जगह पर रहने की अपील

जकार्ता, (एजेंसी)। इंडोनेशिया में शनिवार सुबह 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसके करीब 17 घंटे बाद रात को 6.0 तीव्रता का फिर झटका लगा। इससे पहले शाम को 6.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया था। भूकंप के तेज झटकों से कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और कई इमारतें जमींदौज हो गईं। अब तक 47 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप के बाद नागेकेओ इलाके में समुद्र का पानी अचानक पीछे हट गया। इसे सुनामी का संकेत मानकर लोग घबराकर ऊंची जगहों पर भागने लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिकि शुरुआत में कई तटीय इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी जिसे कुछ घंटे बाद हटा लिया गया। फिलहाल लोगों से सुरक्षित जगह पर रहने को कहा गया है। पहले भूकंप के बाद इलाके में कई आफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए। अधिकारियों ने लोगों से कहा कि वे फिलहाल क्षतिग्रस्त इमारतों में वापस न जाएं, क्योंकि तेज भूकंप के झटके आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कुछ इमारतें गिरती और क्षतिग्रस्त होती दिखाई दे रही हैं। कई लोग भूकंप के बाद घरों और इमारतों से बाहर निकलते नजर आए। हालांकि, इन वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक सिक्का के सेंट पीटर मेजर सेमिनरी में सुबह की प्रार्थना चल रही थी, तभी सभा भवन की छत का एक हिस्सा गिर गया। छात्र और नन घबराकर बाहर भागे। उन्होंने बताया कि जान बचाने की कोशिश में एक पादरी दूसरी मंजिल से कूद गए, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। भूकंप के बाद एहतियात के तौर पर कई अस्पतालों से मरीजों को बाहर निकालना पड़ा। टीवी चैनलों की तस्वीरों में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी मरीजों को स्ट्रेचर पर बाहर ले जाते दिखे। अस्पतालों के बाहर बिस्तर, आईवी स्टैंड और ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए गए। कई जगह खुले में ही अस्थायी इलाज शुरू किया गया।

बता दें इंडोनेशिया करीब 17,500 द्वीपों का देश है। ये द्वीप प्रशांत महासागर के उस इलाके में हैं, जिसे रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। यहां धरती के नीचे कई बड़ी भूगर्भीय प्लेटें मिलती हैं। ये प्लेटें लगातार खिसकती रहती हैं। जब दो प्लेटें आपस में टकराती हैं या एक प्लेट दूसरी के नीचे चली जाती है, तो धरती के अंदर जमा दबाव अचानक बाहर निकलता है। इससे भूकंप आता है।

इंडोनेशिया के आसपास समुद्र के नीचे भी ऐसी हलचल अक्सर होती रहती है। अगर समुद्र के नीचे तेज भूकंप आए और उससे समुद्र का पानी अचानक ऊपर-नीचे हो जाए, तो सुनामी आ सकती है।

इसी वजह से इंडोनेशिया में भूकंप, सुनामी और ज्वालामुखी विस्फोट का खतरा दुनिया के कई दूसरे देशों के मुकाबले ज्यादा रहता है।

तालिबान की पाबंदी: 22 लाख लड़कियों का भविष्य और दुनिया की चुप्पी

काबुल (एजेंसी)। अगस्त 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों को कक्षा छह से आगे की शिक्षा से वंचित किया है। यह प्रतिबंध अब तक नहीं हटा है, इससे अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बन गया है जहाँ लड़कियों और महिलाओं को माध्यमिक और उच्च शिक्षा से रोका गया है। करीब 22 लाख किशोरियाँ 1,800 दिनों से माध्यमिक शिक्षा से वंचित हैं।

इस पाबंदी के गंभीर परिणाम सामने आए हैं। यूनिसेफ के अनुसार, इन प्रतिबंधों से 2030 तक अफगानिस्तान में 20,000 महिला शिक्षकों और 5,400 स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है। आर्थिक मोर्चे पर देश को हर साल अनुमानित 8.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो रहा है। सितंबर 2025 से तालिबान ने संयुक्त राष्ट्र के कार्यालयों में भी अफगान महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा दी, और जनवरी 2026 में महिला सरकारी कर्मचारियों का कम किया गया वेतन भी बंद कर दिया गया।

इन पाबंदियों के बावजूद, अफगान महिलाएँ लगातार 'रोटी, काम, आज़ादी' के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन करती रही हैं,

हालाँकि उन्हें गिरफ्तारियों और यातनाओं का सामना करना पड़ा है। जहाँ खुले विरोध खतरनाक हो गए हैं, वहाँ महिलाओं ने घरों में भूमिगत स्कूलों का अनौपचारिक नेटवर्क बनाकर लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया है। मुझे सबसे ज्यादा परेशान यह बात करती है कि 1996 में भी ऐसी ही पाबंदी देखी गई थी, लेकिन इस बार दुनिया की विफलता जागरूकता की कमी के कारण नहीं है। हर कोई जानता है कि क्या हो रहा है, फिर भी तालिबान को इसकी कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में दोहा प्रक्रिया तालिबान से वार्ता कर रही है, जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय में पुनः शामिल करना है। हालांकि, तालिबान के आग्रह पर महिलाओं और अफगान नागरिक समाज के समूहों को इन मुख्य वार्ताओं से बाहर रखा गया है। मेरी पीढ़ी के लिए स्थितियाँ बदल गई थीं, लेकिन इस पीढ़ी के लिए भी ऐसा होगा, इसकी गारंटी नहीं। अफगान महिलाएँ पिछले पाँच साल से लगातार संघर्ष करके यह दिखा रही हैं कि वे इस प्रतिबंध को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।

ईरान ने कहा- होर्मुज छोड़िए खुद की सुरक्षा करे अमेरिका

-अमेरिका ने कहा था होर्मुज की करेंगे सुरक्षा

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी नियंत्रण स्थापित करने से जुड़े दावे के बाद ईरान और अमेरिका के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। ट्रंप ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान बयान दिया था कि ईरान को पूरी तरह परास्त करने के बाद अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को अपने क्षेत्र के रूप में घोषित करने की योजना रखता है। इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अमेरिकी नेतृत्व को इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य पर बेबुनियाद दावे करने के बजाय अपनी खुद की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में फिर से किसी कैटरिंग ट्रक में छिपने जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

ईरान की ओर से यह तीखा ताना पिछले दिनों तुर्की दौरे से जुड़ी एक चर्चित मीडिया रिपोर्ट के संदर्भ में मारा गया है। दरअसल, कुछ समय पहले नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अंकारा से रवाना होते समय ट्रंप को लेकर सुरक्षा कारणों से रणनीति बदली गई थी। रिपोर्टों के अनुसार, उस वक्त एक बड़े विमान का उपयोग लोगों और मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए किया गया था, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति को एक कैटरिंग यानी खाने वाले ट्रक के जरिए गुप्त रूप से दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया था। इस वाकये की याद दिलाते हुए ईरानी नेताओं ने अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नियंत्रण के दावे को ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने भी पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते पर किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट, युद्धपोत की तैनाती या चुनावी भाषण के बल पर कब्जा नहीं किया जा सकता। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान किसी भी प्रकार की विदेशी धमकी या शक्ति प्रदर्शन से डरने वाला नहीं है। वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिहाज से यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे अहम रास्तों में गिना जाता है, यही वजह है कि यहां जरा सा तनाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में खलबली मचा देता है। मामले के तूल पकड़ने के बाद व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का वह बयान केवल एक मजाक के रूप में दिया गया था। इसके बावजूद, ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज के सामरिक महत्व को लेकर चल रही इस तनातनी ने मध्य पूर्व में कूटनीतिक हलचल को काफी बढ़ा दिया है। दोनों पक्षों की ओर से आ रहे इन तीखे बयानों को भविष्य के रणनीतिक संघर्षों और क्षेत्रीय तनाव के रूप में देखा जा रहा है।

साल 2028 में पृथ्वी पर आएंगे एलियंस, टाइम ट्रेवलर का दावा

लंदन (एजेंसी)। हाल ही में डैरिल डीन नाम के एक शख्स ने खुद को साल 2033 से आया टाइम ट्रेवलर बताते हुए सनसनीखेज भविष्यवाणियां की हैं। डैरिल डीन का दावा है कि उसके पास भविष्य में होने वाली घटनाओं की एक पूरी टाइमलाइन मौजूद है और उसकी भविष्यवाणियां आने वाले समय में हर हाल में सच होकर रहेंगी। उसने पैरानॉर्मल रिसर्च से जुड़े लोकप्रिय एक टीवी चैनल पर बात करते हुए अपने दावों को सही ठहराने के लिए कई भविष्यवाणियों के बारे में बताया है।

डैरिल डीन का कहना है कि वह मूल रूप से साल 2033 का रहने वाला है और थोड़े समय के लिए ही वर्तमान समय में आया था। उसने कहा कि वह दुनिया के हर इंसान को यह समझाने नहीं आया है कि वह सच बोल रहा है, बल्कि वह सिर्फ उन लोगों से बात करना चाहता है जो उसकी बात को गंभीरता से सुनने के लिए तैयार हैं। कथित टाइम ट्रेवलर के अनुसार, भविष्य में कोई भी बड़ा या विनाशकारी युद्ध नहीं होगा। उसने दावा किया कि साल 2028 में एलियंस पृथ्वी पर आएंगे और वे अपने साथ शांति और समृद्धि का एक नया दौर लेकर आएंगे। एलियंस के आने के बाद इंसानों को यह अहसास होगा कि वे आपस में एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, जिससे पूरा विश्व एकजुट हो जाएगा और सभी मतभेद समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा डीन ने यह भी कहा कि 2033 तक दुनिया के सभी मौजूदा धर्म खत्म हो जाएंगे और पूरी मानव जाति सिर्फ एक धर्म को मानेगी।

हालांकि, इस शख्स ने नए धर्म के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया कि वह कैसा होगा या उसके सिद्धांत क्या होंगे। टाइम ट्रैवल की तकनीक को लेकर भी डैरिल डीन ने एक खुलासा किया है। उसका कहना है कि साल 2028 में इंसानों के सामने टाइम ट्रेवल तकनीक के राज से परदा उठा दिया जाएगा और इसी साल दूसरे ग्रहों के जीवों यानी एलियंस की सच्चाई भी दुनिया के सामने आ जाएगी। यह दावा भविष्य में मानवता के लिए एक नई दिशा का संकेत देता है। डीन ने तकनीक का जिक्र करते हुए कहा कि 2019 के अंत में 5जी वायरलेस नेटवर्क शुरू हुआ था, जिसने इंटरनेट स्पीड को तीन गुना बढ़ा दिया था। वहीं, उसने दावा किया कि आने वाले सालों में 6जी इंटरनेट की तकनीक को पूरी दुनिया के लिए पूरी तरह से मुफ्त कर दिया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि दुनिया के हर देश और दूरदराज के इलाकों में लोगों को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिलने लगेगी, जिससे सूचना और संचार का एक नया युग शुरू होगा।

हालांकि, इस यूट्यूब वीडियो को देखने वाले ज्यादातर यूजर्स कथित टाइम ट्रेवलर के इन दावों से बिल्कुल भी सहमत नजर नहीं आ रहे हैं। कई लोगों ने वीडियो पर कमेंट करते हुए इसे पूरी तरह से फर्जी और कल्पना बताया है। वहीं, अन्य लोगों ने इसकी तुलना पुराने कथित टाइम ट्रेवलर नोआ से करते हुए कहा कि उसकी भविष्यवाणियां गलत साबित होने के बाद वह गायब हो गया था, और यह शख्स भी उसी की तरह झूठ बोल रहा है। मालूम हो कि भविष्य की दुनिया कैसी होगी और आने वाले सालों में इंसानी सभ्यता में क्या बड़े बदलाव होंगे, इसे लेकर अक्सर नई-नई थ्योरीज और दावे सामने आते रहते हैं।

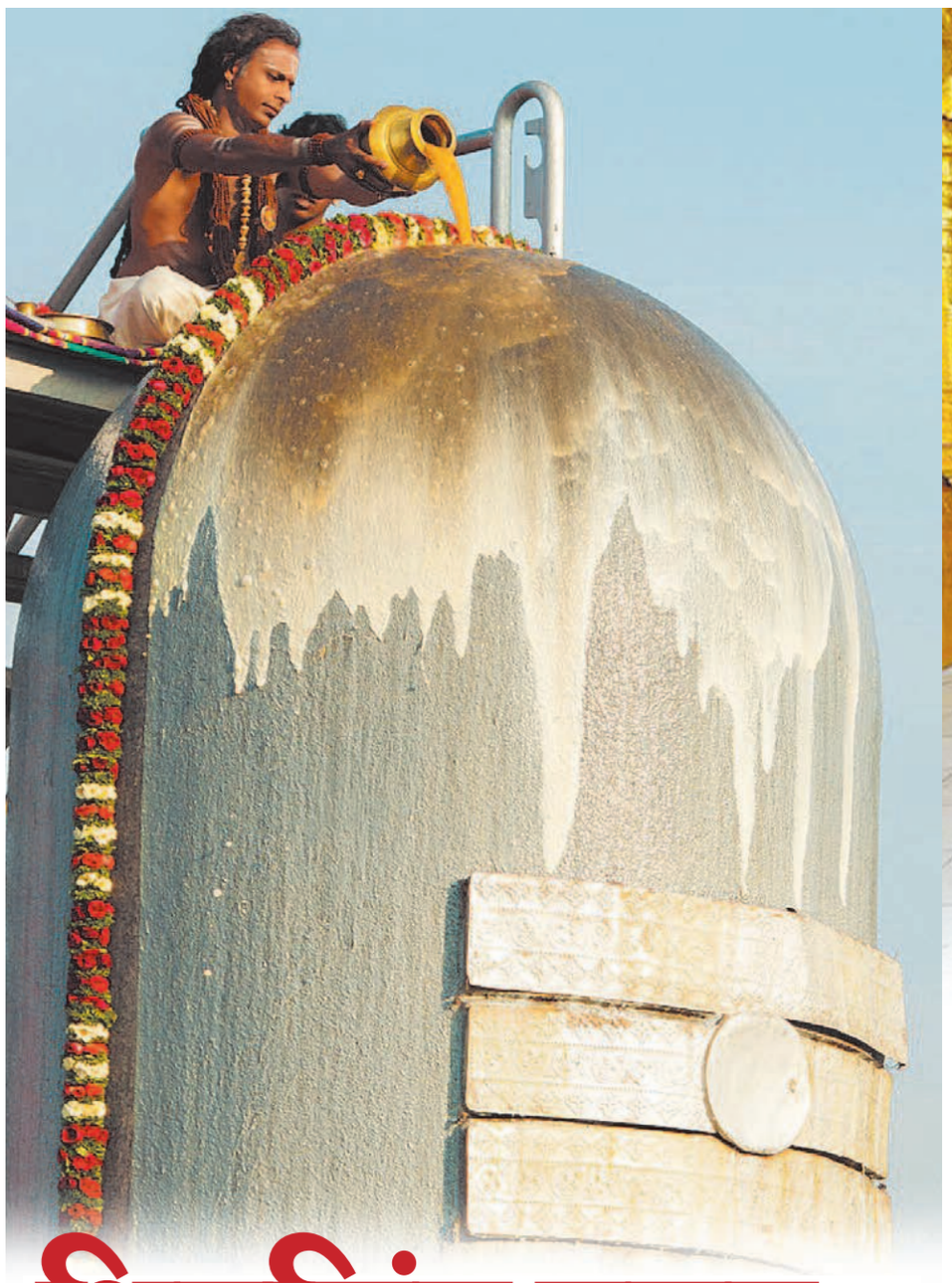

शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्रायः पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है –

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महामुक्ति प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चन किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभा-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- मक्खन से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर यश, कीर्त तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विघ्न तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोह के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुष्ठ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा अप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झुलसना होगा, अतः अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ

भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं

गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ का ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुनः प्राप्त हुई, इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार महमूद गजनी ने इसे लूटा। इसके बाद यह कई बार टूटा फिर इसका जीर्णोद्धार हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयत्न से मौजूदा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। 1951 में राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के हाथों नए मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊंड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे स्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है।

शाप का निवारण – मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां

'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने में श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिन्ह को हिरण की आंख समझ कर धोखे से तीर मारा, तभी भगवान श्री कृष्ण ने देह त्याग कर वैकुंठ गमन किया।

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गाईं के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

सावन के मंगलवार करें ये उपाय

हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटों से दूर रखने की प्रेरणा देता है। सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं।

बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें –

मंत्र- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने।।

अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आएं। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।

गरुड़ पुराण से जानें

कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरूड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृतांत है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरूड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है की इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है की कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरन अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सूझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है। हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ्र प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहेलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।

बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती हैं, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जुड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अतः जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

स्कूलों में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

राइजिंग सन पब्लिक स्कूल में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र स्थित राइजिंग सन पब्लिक स्कूल, दुर्गापुर, नवयुग पब्लिक स्कूल मोटाढांक में स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर तिरंगे के रंगों से सजा हुआ था और पूरा वातावरण ह्वंदे मातरम्ह्व तथा ह्वभारत माता की जयह्व के नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह रावत उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व असिस्टेंट कमांडेंट कमलेश बुडाकोटी ने शिरकत की। विद्यालय के संस्थापक मोहन सिंह बिष्ट एवं प्रबंधक जगमोहन बुडाकोटी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। अतिथियों ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। ध्वजारोहण के पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने नृत्य, गीत, नाटक और कविताओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को जीवंत कर दिया। विशेष रूप से प्रस्तुत देशभक्ति नाटिका ने उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम कर दीं और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा सभागार गूंज उठा। मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह रावत ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को देश के प्रति समर्पण, अनुशासन और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के बच्चे ही भारत का उज्ज्वल भविष्य हैं। उन्होंने बच्चों को मेहनत और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि कमलेश बुडाकोटी ने कहा कि स्वतंत्रता केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की याद दिलाने वाला अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को देश सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। विद्यालय के संस्थापक मोहन सिंह बिष्ट ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि संस्कार और देशभक्ति की भावना से भी सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की और विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की।

पूरा समारोह उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना से सराबोर रहा। अंत में सभी को मिठाई वितरित कर कार्यक्रम का समापन किया गया

स्वतंत्रता दिवस पर दिखी सांस्कतिक छटा

राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में प्रस्तुति देते छात्र

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश रावत ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर किया। इसके बाद उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रगान के साथ देश के प्रति सम्मान एवं एकता का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को नमन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों में देशभक्ति का उत्साह भर दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं तथा विद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। पूर्व पीटीए अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्य मुकेश रावत ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता अनेक वीरों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी, अभिभावक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं देश की प्रगति के संकल्प के साथ हुआ।

सिद्धबली संस्कृत विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री सिद्धबली संस्कृत विद्यालय, कोटद्वार में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, संस्कार और सांस्कृतिक उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जे.पी. ध्यानी ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिवचरण पोखरियाल, मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रमोहन बड़थ्वाल, विद्यालय के प्रबंधक डॉ. रमाकांत कुकरेती, गेप्स के संस्थापक निदेशक राम भरोसा कंडवाल, मनमोहन काला तथा प्रधानाचार्य अशोक जोशी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना के साथ देशभक्ति गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत 'राइफल डांस', 'नमामि वयम्' और 'कालिदासो जने-जने' ने दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने देशप्रेम के साथ भारतीय संस्कृति और संस्कारों की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जे.पी. ध्यानी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अथक संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। हमें स्वतंत्रता के मूल्यों को समझते हुए इसकी रक्षा और राष्ट्र की प्रगति के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की उन्नति और स्वतंत्रता की सार्थकता के लिए समाज का सुसंस्कृत, संस्कारवान और जिम्मेदार होना आवश्यक है।

मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रमोहन बड़थ्वाल ने अपने सारगर्भित संबोधन और काव्य पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। वहीं राम भरोसा कंडवाल ने अपनी चर्चित कविता 'कहां गए वे राष्ट्रनायक' के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और राष्ट्रनायकों के त्याग एवं बलिदान को याद किया। उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। मनमोहन काला ने 'सनातन संस्कृति का वैज्ञानिक महत्व' विषय पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति की वैज्ञानिक एवं जीवनोपयोगी परंपराओं से विद्यार्थियों को परिचित कराया। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. रमाकांत कुकरेती ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यालय की भावी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। प्रधानाचार्य अशोक जोशी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन अतुल डोबरियाल ने किया। समापन अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. जे.पी. ध्यानी ने विधिवत कार्यक्रम के समापन की घोषणा की और उपस्थित लोगों को मिष्ठान वितरित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति, संस्कृति और देशप्रेम के नारों से गूंजता रहा। स्वतंत्रता दिवस समारोह ने विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति समर्पण, भारतीय संस्कारों और गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत किया।

स्वतंत्रता दिवस पर मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज पैनों रिखणीखाल में पौधा रोपते हुए शिक्षक।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज पैनों रिखणीखाल में 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रधानाचार्य दरबान सिंह पटवाल ने झण्डा रोहण किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा देश भक्ति गीत के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

इस अवसर पर गणित शिक्षक दिनेश चन्द्र कुकरेती द्वारा विद्यालय के 41 उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को 15वां विद्यालय वृक्ष पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार वर्ष 2012 से गणित शिक्षक दिनेश चन्द्र कुकरेती द्वारा कक्षा 6 से 12 तक उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को पयावरण के प्रति रुचि व जागरूक करने हेतु एक पेड़ पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है। इस वर्ष कक्षा 12 में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर छात्रा अंशिका को लीची का पेड़ देकर सम्मानित किया गया, जबकि कक्षा 10 में अच्छे अंक लाने वाली छात्रा सृष्टि, संजना, राखी को आम, अनार केला का पेड़ देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य छात्रों को आम, अनार, नीम, लीची, सहजन, केला, सतंरे का पेड़ देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पीटीए अध्यक्ष सतेंद्र सिंह नेगी, एसएमसी अध्यक्षा संगीता देवी, विनोद मैंदोला, राजेंद्र नेगी, गुड्डी देवी, सुमित्रा देवी, आशा देवी, शर्मिला देवी, राखी देवी, रजनी देवी आदि मौजूद थे।

एसजीआरआर स्कूल में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल कोटद्वार में 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। ऑपरेशन सिन्दूर कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रभात फेरी निकाली गई। इसके बाद प्रधानाचार्या अनुसूया वर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अवसर मौके पर प्रधानाचार्या ने अपने सम्बोधन में 1947 में मिली आजादी के बाद से आज तक हमारे देश ने एक लंबा और गौरवशाली सफर तय किया है। आज का भारत सीमाओं पर अपने दुश्मनों को उनकी ही भाषा में जवाब देना जानता है। उन्होंने कहा कि आज का भारत अंतरिक्ष में चंद्रयान और मंगलयान भेजकर पूरी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

शिक्षा, तकनीक और खेल जगत में हमारी बेटियां और युवा पूरे विश्व में तिरंगे का परचम लहरा रहे हैं। लेकिन याद रखिए असली देशभक्ति सिर्फ 15 अगस्त को झंडा फहराना नहीं है, असली देशभक्ति तब है जब हम अपने आसपास सफाई रखेंगे, हम देश के कानूनों का पालन करेंगे, हम महिलाओं का सम्मान करेंगे और अपनी पढ़ाई व मेहनत से देश को आगे बढ़ाएंगे।

भृगुखाल-तिमल्याणी मार्ग की बदहाली से लोगों में रोष

कोटद्वार : यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत भृगुखाल से तिमल्याणी तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2020-21 में निर्मित मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। मार्ग को जन उपयोगी बनाने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। इस मौके पर यमकेश्वर के एसडीएम के माध्यम से जिलाधिकारी पौड़ी को ज्ञापन भेजा गया। विनोद डबराल ने कहा कि मोटर मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। मार्ग की खराब स्थिति के कारण क्षेत्रीय जनता को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मार्ग की बदहाली के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से उचित कार्रवाई नही की जा रही है। चेतावनी दी गई कि समय रहते मोटर मार्ग की मरम्मत कर उसे जनता के लिए उपयोगी नही बनाया गया तो क्षेत्रीय जनता आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगी। इस अवसर पर संपूर्ण सिंह, बीडीसी सदस्य भगत सिंह, सुमित्रा देवी, इंद्री देवी, राकेश सिंह, दीपक चंद्रा, सावित्री देवी, साक्षी, सीमा, विजय सिंह, महेश चंद्र, अनीता, सुषमा, वीरेंद्र सिंह, प्रसन्न लाल कुकरेती, सरोज देवी आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 2363 /18ए0सी0 दिनांकः- 14/08/2026

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आइटम रेट के आधार पर सील्ड निविदा दि0 29/08/2026 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 18/08/2026 से 27/08/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 29/08/2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रा0ख0, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अ0ख0, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	मा0 मुख्यमंत्री घोषणा सं0-1741/2021 के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र लैन्सडौन के विकासखण्ड नैनीडांडा के अन्तर्गत मेहली से थवाड़ा तक मोटर मार्ग का नव निर्माण कार्य। (द्वितीय चरण स्टेज-1) (चै0 0.000 से 0.500)	51000.00	15000.00+ जी0एस0टी	45 दिन	6 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	-----तदैव----------चैनेज 0.500 से 1.000	55000.00	15000.00+ जी0एस0टी	45 दिन	6 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
3	-----तदैव----------चैनेज 1.00 से 1.500	51000.00	15000.00+ जी0एस0टी	45 दिन	6 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
4	-----तदैव----------चैनेज 1.500 से 2.000	54000.00	15000.00+ जी0एस0टी	45 दिन	6 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
5	-----तदैव----------चैनेज 2.000 से 2.500	58000.00	15000.00+ जी0एस0टी	45 दिन	6 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
6	-----तदैव----------चैनेज 2.500 से 2.850	35500.00	15000.00+ जी0एस0टी	45 दिन	6 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
7	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत खुवाणी से बडोलखोला तक सड़क निर्माण।	21000.00	1000.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
8	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत कालीलांगो से ताल तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण।	24000.00	1000.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
9	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत अमकटला के के लिए सम्पर्क मार्ग का निर्माण।	21000.00	1000.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
10	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत कोलागाड़ ल्यूठिंया से ताड़केश्वर तक मार्ग का निर्माण।	21000.00	1000.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
11	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत ज्वालाचौड़ में सम्पर्क मार्ग का निर्माण।	21000.00	1000.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
12	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत बसड़ा तिमलसैण जुकनिया मार्ग में दीवार निर्माण कार्य।	18000.00	1000.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
13	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत रथुवाढाब-बसड़ा मोटर मार्ग से मल्ली कुमाल्डी मोटर मार्ग में सी0सी0 ब्लॉक (इण्टर लॉकिंग टाईल्स) द्वारा मार्ग का निर्माण।	18000.00	1000.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
14	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत सिरोबाड़ी पुल हेतु पहुंच मार्ग का निर्माण।	15000.00	500.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
15	जिला योजना वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत एस0एच0 9 के कि0मी0 125 से 139 तक स्कपर दीवार का निर्माण कार्य।	21000.00	1000.00+ 18% GST	45 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 30/08/2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि एवं रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर संलग्न करना अनिवार्य है। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

(इं0 निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)

वनडे वर्ल्ड कप 2027: गांधी जयंती पर होगा वर्ल्ड कप का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2027 2027 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट का आगाज 2 अक्टूबर 2027 यानी गांधी जयंती के दिन हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने अभी आधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन अंदरूनी चर्चा के अनुसार इस खास दिन से टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से ऐतिहासिक जुड़ाव को देखते हुए इस तारीख को बेहद खास माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत गांधी जयंती के दिन करने पर विचार कर रहा है। महात्मा गांधी ने भारत लौटने से पहले करीब 21 साल दक्षिण अफ्रीका में बिताए थे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले क्रिकेट के इस बड़े टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना उनके शांति और अहिंसा के संदेश को सम्मान देने के तौर पर देखा जा रहा है।

पहले वर्ल्ड कप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अक्टूबर के पहले सप्ताह में अभ्यास मैच खेले जाने थे। नए प्लान के तहत अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के आखिरी सप्ताह में कराया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर से हो सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 टीमों वाला यह टूर्नामेंट करीब 50 दिनों तक चलेगा। इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की योजना है। तीन देशों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

12 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मुकाबलों की मेजबानी करेगा। वहीं नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी टूर्नामेंट का हिस्सा होगा।

ऐसा होगा वर्ल्डकप का नया फॉर्मेट

2027 वर्ल्ड कप में फॉर्मेट में भी बदलाव देखने को मिलेगा। शुरुआत में तीन टीमों की सुपर सीरीज होगी, जिसमें से एक टीम बाहर हो जाएगी। इसके बाद 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा और हर ग्रुप में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद टीमें सुपर सेवन चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद टूर्नामेंट सेमीफाइनल और फाइनल की ओर बढ़ेगा। इस तरह खिताब के लिए टीमों को कई चरणों से गुजरना होगा।

इन 10 टीमों ने पक्की की जगह

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 10 टीमों ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। बाकी चार टीमों का फैसला अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा। इसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी हिस्सा लेंगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया। इसके बाद सैम वार्ड ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त 2-0 कर दी। सैमुअल हूपर ने 31वें मिनट में तीसरा और जेम्स एलबरी ने 47वें मिनट में चौथा गोल किया। पाकिस्तान की ओर से रेहान अब्दुल अफराज ने 50वें मिनट में एक गोल किया।पाकिस्तान को मैच में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

बेलफास्ट (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे। अटल ने 98 रन बनाए और शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। उनके आउट होने के बाद भी रहमत शाह एक छोर पर टिके रहे।रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल के बीच तीसरे विकेट के लिए 210 गेंदों पर 201 रन की साझेदारी हुई।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में ही मिली हार, गर्मी से दिखे परेशान

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था।

यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे जोकोविच

2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे।

पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा।

तूफान के कारण 90 मिनट खेल रूका, इयाला तीसरे दौर में पहुंचीं

महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था। इयाला जिन्होंने इसी महीने वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता था अब नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने तुर्किये की जेनेप सोनमेज को 6-2, 6-3 से हराया। 21 वर्षीय इयाला को हमेशा की तरह फिलीपींस के दर्शकों का भारी समर्थन मिला, जैसा कि उन्हें विंबलडन और टोरंटो के इवेंट में भी मिला था। मैच के बाद इयाला ने कहा कि वह खेल पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रही थीं, लेकिन कोई भी खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी के चोटिल होकर रिटायर होने से मैच नहीं जीतना चाहता। अन्य महिला मुकाबलों में विंबलडन में चोटिल होने के कारण एक महीने तक कोर्ट से दूर रहीं रोलैंड गैरोस की फाइनलिस्ट माजा चवालिंस्का ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-2 से हराया।

गॉल टेस्ट: देवदत्त पडिक्कल ने खेली 167 रन की पारी, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के देवदत्त पडिक्कल ने बड़ा शतक (167) लगाया। वह दूसरे दिन के दूसरे सत्र में विपक्षी स्पिनर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। उनके इस बड़े शतक की मदद से भारत ने दूसरे दिन के तीसरे सत्र की समाप्ति तक 360/9 का स्कोर बनाया। इस बेहतरीन पारी से पडिक्कल ने अपने चयन को सही साबित किया। पडिक्कल पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 131 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे दिन अपने निजी स्कोर में 36 रन और जोड़े। वह 230 गेंदों में 167 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर 162 रन की साझेदारी की। वहीं, राहुल शतक बनाने से चूक गए और 82 रन बनाकर आउट हुए।

इस सूची में शामिल हुए पडिक्कल

पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ नंबर-3 पर खेलते हुए 150 से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ऐसा कर चुके थे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ ने 2009 में नंबर-3 पर खेलते हुए अहमदाबाद टेस्ट में 177 रन की पारी खेली थी। वहीं, पुजारा ने 2017 में 153 रन बनाए थे। उन्होंने ये पारी गॉल के ही मैदान पर खेली थी।

नंबर-3 पर खेलते हासिल किए ये मुकाम

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट में शतक लगाने वाले आखिरी भारतीय शुभमन गिल थे, जिन्होंने सितंबर 2024 में चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। पडिक्कल 21वीं सदी में भारत के लिए नंबर-3 पर खेलते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 2002 में दिल्ली में जिम्बाब्वे के खिलाफ 136 रन बनाए थे।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार कंगारू टीम को टेस्ट में हराया

डार्विन। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कम लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को जोश हेजलवुड ने पहला झटका दिया। हेजलवुड ने तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। इसके बाद शदमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने बांग्लादेश को आसानी से जीत दिलाई। हक 30 और इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पहली पारी 426 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह बांग्लादेश ने 228 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और टीम ने 207 रन के स्कोर पर ही सात विकेट गंवा दिए। इसके बाद ग्रीन ने स्टार्क के साथ मिलकर साझेदारी की और टीम को बढ़त दिलाने में सफल रहे। चौथे दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 243 रन बनाए। लंच ब्रेक के बाद हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को मिचेल स्टार्क के रूप में आठवां झटका लगा। ग्रीन और स्टार्क ने आठवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। तस्कीन अहमद ने स्टार्क को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टार्क 18 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे।

प्रतिका रावल का एशिया कप के लिए चयन, वॉरविकशायर के वनडे कप से हुई बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतिका रावल को आगामी एसीसी महिला एशिया कप के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके चलते वह इंग्लैंड में वॉरविकशायर के साथ अपने निर्धारित वनडे कप कार्यकाल में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रतिका को स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में हाई-ग्रेड चोट के कारण एशिया कप के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों से भी बाहर हो गई हैं।25 वर्षीय प्रतिका को 19 अगस्त को वॉरविकशायर से जुड़ना था और वह सीजन के बाकी मुकाबलों में टीम का हिस्सा बनने वाली थीं। हालांकि, भारत की ओर से पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप मिलने के बाद अब वह एडबर्गटन नहीं जाएंगी। वॉरविकशायर महिला टीम के मुख्य कोच अली मेडन ने प्रातिका के नहीं जुड़ पाने पर निराशा जताई, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम प्रतिका का बेसब्री से स्वागत करने की तैयारी कर रही थी और उनके बाहर होने से निराशा हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीजन के बाकी हिस्से में टीम के पास अभी काफी कुछ हासिल करने का मौका है और मौजूदा खिलाड़ियों पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रतिका रावल भारत की 2025 महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य रही हैं। वह अब तक 27 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 1189 रन बनाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक भी लगाया था। हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अभी तक भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

30 अगस्त को थाईलैंड से होगा भारत का मुकाबला

प्रतिका अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम तीन सितंबर को हांगकांग और चीन से भिड़ेगी, जबकि बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पांच सितंबर को पाकिस्तान का सामना करेगी। एशिया कप के सभी मुकाबले दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहली बार यूएई इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।